राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

# दिव्य दिनकर

एक निडर सच का दर्पण

रांची और पटना से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 12 अकं :223 रांची (झारखंड) रविवार,25 मई 2025 पेज - 08 मूल्य: 2 RNI NO- JHAHIN/2013/54373

8

## भारत ने भू-राजनीतिक प्रतिकूलताओं के बावजूद ऊर्जा के क्षेत्र में अच्छा काम किया: केंद्रीय मंत्री

**एजेंसी**

**नई दिल्ली ।** केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने ईंधन की कीमतों को स्थिर रखने, एलपीजी कवरेज का विस्तार करने और देशभर में रिफाइनिंग और वितरण क्षमता को बढ़ावा देने के लिए सरकार के सक्रिय उपायों के बारे में जानकारी दी। हरियाणा के मानेसर में मंत्रालय की एक बैठक की अध्यक्षता करते हुए, केंद्रीय मंत्री पुरी ने विस्तार से बताया कि कैसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में भारत भू-राजनीतिक प्रतिकूलताओं से पार पाते हुए नागरिकों के लिए बिना किसी कमी के ऊर्जा की वहनीयता और उपलब्धता सुनिश्चित करने में सफल रहा। विशेष रूप से, सरकार ने दो बार उत्पाद शुल्क में कटौती की, जिसमें पहली कटौती 4 नवंबर, 2021 को और दूसरी कटौती 22 मई, 2022 को पेट्रोल पर 13 रुपए प्रति लीटर और डीजल पर 16 रुपए प्रति लीटर के रूप में की गई।

अप्रैल 2025 में की गई हालिया बढ़ोतरी को तेल विपणन कंपनियों ने वहन कर लिया, जिससे उपभोक्ताओं को अतिरिक्त बोझ से बचाया जा सके। एलपीजी सुधारों पर प्रकाश डालते हुए, केंद्रीय मंत्री ने प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (पीएमयूवाई) के परिवर्तनकारी प्रभाव के बारे में विस्तार से बताया। इसकी शुरुआत के बाद से, एलपीजी कवरेज 2014 में 55 प्रतिशत से बढ़कर आज

लगभग सार्वभौमिक पहुंच तक पहुंच गया है। एलपीजी की खपत में शानदार वृद्धि दर्ज की गई है, जिसमें प्रतिदिन 56 लाख सिलेंडरों की डिलीवरी हुई है। अब देश भर में 25,000 से अधिक एलपीजी वितरक काम कर रहे हैं, जिनमें से 86 प्रतिशत ग्रामीण क्षेत्रों में हैं, जो अंतिम छोर तक पहुंच सुनिश्चित करते हैं।

केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी ने बताया कि भारत में एलपीजी की कीमतें वैश्विक स्तर पर सबसे कम हैं।अंतरराष्ट्रीय एलपीजी कीमतों में 58 प्रतिशत की भारी वृद्धि के बावजूद, पीएमयूवाई उपभोक्ता अब 14.2 किलोग्राम के सिलेंडर के लिए केवल 553 रुपए का भुगतान करते हैं। एलपीजी की कीमतें किफायती रखने के लिए तेल कंपनियों को पिछले साल 40,000 करोड़ रुपए का घाटा हुआ है। लगभग 1,058 रुपए की कीमत वाला सिलेंडर पीएमयूवाई लाभार्थियों को मात्र 553 रुपए में उपलब्ध कराया जा रहा है।

नियमित उपभोक्ताओं के लिए, कीमत 853 रुपए है। पीएमयूवाई परिवारों के लिए प्रतिदिन खाना पकाने की लागत अब लगभग 6.8 रुपए और गैर-पीएमयूवाई उपयोगकर्ताओं के लिए 14.7 रुपए है। भारत अब 24,000 किलोमीटर से अधिक प्रोडक्ट पाइपलाइन, 314 तेल टर्मिनल/डिपो और लगभग 96,000 खुदरा दुकानों का संचालन करता है।

## विकसित भारत के लक्ष्य की ओर छत्तीसगढ़ का संकल्प: मुख्यमंत्री

**एजेंसी**

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय आज दिल्ली स्थित भारत मंडपम में नीति आयोग की महत्वपूर्ण बैठक में शामिल होंगे। इस बैठक की अध्यक्षता प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी करेंगे। नई दिल्ली रवाना से पहले मुख्यमंत्री साय ने कहा कि बैठक में छत्तीसगढ़ की भावी विकास योजनाओं और राज्य के दृष्टिकोण को नीति आयोग के समक्ष रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के प्रधानमंत्री के लक्ष्य के अनुरूप, हमारा उद्देश्य विकसित छत्तीसगढ़ की दिशा में ठोस कदम बढ़ाना है। साय ने इस दौरान राज्य के विकास रोडमैप, नक्सलवाद के अंत और नई औद्योगिक नीति को लेकर अपनी प्राथमिकताएं स्पष्ट कीं। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि छत्तीसगढ़ सरकार बस्तर और अन्य क्षेत्रों के समावेशी विकास के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही है। नक्सलवाद अब समाप्ति की ओर है। उन्होंने कहा कि बैठक में राज्य की नई औद्योगिक नीति, निवेश प्रोत्साहन और औद्योगिक अवसरों की संभावनाओं पर भी प्रकाश डालेंगे।

## एम्स की डॉक्टर समेत दो महिलाएं कोरोना पॉजिटिव, स्वास्थ्य विभाग सतर्क

**ऋषिकेश ।** अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) ऋषिकेश की एक डॉक्टर सहित दो महिलाओं के कोरोना पॉजिटिव पाए जाने से स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मच गया। दोनों महिलाएं हाल ही में बेंगलुरु और गुजरात से उत्तराखंड आई थीं। पॉजिटिव पाए जाने के बाद दोनों को आइसोलेशन में रखा गया है और इनके संपर्क में आए लोगों की पहचान की जा रही है। स्वास्थ्य विभाग ने स्थिति को नियंत्रित करने के लिए त्वरित कदम उठाए हैं। जानकारी के अनुसार, एम्स ऋषिकेश में कार्यरत एक डॉक्टर जो बेंगलुरु से लौटी थीं, में कोरोना के हल्के लक्षण दिखाई दिए। जांच में उनकी रिपोर्ट पॉजिटिव आई। उनकी स्थिति स्थिर बताई जा रही है और वे घर पर ही आइसोलेशन में इलाज करवा रही हैं। डॉक्टर ने बताया कि उन्हें बुखार और गले में खराश जैसे लक्षण थे, जिसके बाद उन्होंने तुरंत जांच कराई। एम्स प्रशासन ने डॉक्टर के संपर्क में आए स्टाफ और मरीजों की सूची तैयार कर उनकी स्क्रीनिंग शुरू कर दी है। दूसरी महिला जो गुजरात से ऋषिकेश धार्मिक प्रवचन सुनने आई थीं, वह भी कोरोना पॉजिटिव पाई गई हैं। यह महिला पहले से ही कई गंभीर बीमारियों से पीड़ित थीं। लक्षण दिखने पर उनकी जांच की गई, जिसके बाद उन्हें तुरंत एम्स ऋषिकेश में भर्ती कराया गया। अस्पताल सूत्रों के अनुसार उनकी स्थिति नाजुक बनी हुई है और विशेषज्ञ डॉक्टरों की निगरानी में उनका इलाज चल रहा है। स्वास्थ्य विभाग ने दोनों मामलों को गंभीरता से लेते हुए कॉन्टैक्ट ट्रेसिंग शुरू कर दी है। अधिकारियों ने बताया कि दोनों महिलाओं के यात्रा और संपर्क में आए लोगों की जानकारी जुटाई जा रही है। साथ ही, लोगों से अपील की गई है कि वे कोविड-19 प्रोटोकॉल का पालन करें, मास्क पहनें और सामाजिक दूरी बनाए रखें। कोरोना के मामलों में हाल के महीनों में कमी देखी गई थी लेकिन इन नए मामलों ने स्वास्थ्य विभाग को फिर से सतर्क कर दिया है। विशेषज्ञों का कहना है कि मौसम बदलने और यात्रा में वृद्धि के कारण मामलों में उछाल की आशंका बनी हुई है।

## पाकिस्तानी आतंकवादी 'नागरिक' कवर का इस्तेमाल कर बच नहीं सकते : भारत

**संयुक्त राष्ट्र ।** भारत ने कहा है कि पाकिस्तान स्थित आतंकवादी यह दावा करके आतंकवाद विरोधी कार्रवाई से छूट का दावा नहीं कर सकते कि वे नागरिक हैं। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि पी. हरीश ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को बताया, हमें स्पष्ट कर देना चाहिए: नागरिकों की सुरक्षा का हवाला दे संयुक्त राष्ट्र की ओर से नामित आतंकवादियों को बचाने के तर्क के रूप में इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए।उन्होंने कहा, ÷पाकिस्तान ने आतंकवाद को बढ़ावा देने के लिए बार-बार नागरिक कवर का इस्तेमाल किया है। नागरिकों के लिए उभरते खतरों और उनकी सुरक्षा पर सुरक्षा परिषद की बहस में बोलते हुए राजदूत हरीश ने पाकिस्तान के इस दावे को खारिज कर दिया कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान नागरिकों को निशाना बनाया गया था। उन्होंने आतंकवादियों और पाकिस्तानी सरकार और सेना के बीच खुले गठजोड़ की ओर ध्यान आकर्षित किया। हरीश ने कहा, एक ऐसा देश जो आतंकवादियों और नागरिकों के बीच कोई अंतर नहीं करता, उसे नागरिकों की सुरक्षा के बारे में बोलना शोभा नहीं देता है। उन्होंने कहा, हमने हाल ही में वरिष्ठ सरकारी, पुलिस और सैन्य धिकारियों को ऑपरेशन सिंदूर द्वारा लक्षित प्रसिद्ध आतंकवादियों के अंतिम संस्कार में श्रद्धांजलि देते देखा। लेफ्टिनेंट जनरल फैयाज हुसैन शाह और मेजर जनरल राव इमरान और पंजाब पुलिस के महानिरीक्षक उस्मान अनवर सहित पाकिस्तानी सेना के शीर्ष अधिकारी ऑपरेशन सिंदूर हमलों में मारे गए आतंकवादियों के अंतिम संस्कार में शामिल होने वालों में शामिल थे, जिनमें लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) का एक वरिष्ठ नेता हाफिज अब्दुर रऊफ भी शामिल था, जिसे अमेरिकी सरकार द्वारा आतंकवादी घोषित किया गया है। राजदूत हरीश ने कहा, पाकिस्तान ने आतंकवादियों पर हमलों का जवाब जानबूझकर भारत के सीमावर्ती क्षेत्रों में गोलाबारी करके दिया, जिसमें 20 से अधिक नागरिक मारे गए। उन्होंने कहा, गुरुद्वारों, मंदिरों और कॉन्वेंटों सहित पूजा स्थलों और चिकित्सा केंद्र को जानबूझकर निशाना बनाया गया। उन्होंने कहा, इस तरह के व्यवहार के बाद इस संस्था में उपदेश देना घोर पाखंड है। दुर्भाग्य से, सशस्त्र संघर्ष के दौरान महिलाओं और बच्चों सहित नागरिकों को सैन्य अभियानों और आतंकवादी गतिविधियों के लिए मानव ढाल के रूप में इस्तेमाल किया जाता है। इसलिए, यह अत्यंत महत्वपूर्ण है कि अंतर्राष्ट्रीय समुदाय सुरक्षा परिषद के उन प्रासंगिक प्रस्तावों के कार्यान्वयन की दिशा में ठोस कदम उठाने का संकल्प ले, जिन्हें पहले अपनाया जा चुका है।

# जब हर राज्य विकसित होगा तभी भारत भी विकसित होगा : मोदी

**● 'भारत को भविष्य के लिए तैयार शहरों के विकास की दिशा में काम करना चाहिए।'**

**एजेंसी**

**नई दिल्ली ।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को नीति आयोग की 10वीं गवर्निंग काउंसिल की बैठक में अपने उद्घाटन भाषण में कहा कि भारत को भविष्य के लिए तैयार शहरों के विकास की दिशा में काम करना चाहिए। उन्होंने केंद्र और सभी राज्यों से एक साथ मिलकर विकास की गति बढ़ाने का आग्रह किया।

पीएम मोदी ने कार्यक्रम में कहा, ÷भारत में तेजी से शहरीकरण हो रहा है। हमें भविष्य के लिए तैयार शहरों की दिशा में काम करना चाहिए। विकास, नवाचार और स्थिरता हमारे शहरों के विकास का इंजन होना चाहिए। उन्होंने आगे कहा, हमें विकास की गति बढ़ानी होगी। अगर केंद्र और सभी राज्य एक साथ

मिलकर टीम इंडिया की तरह काम करें तो कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं हो सकता है। उन्होंने राज्यों से देश में पर्यटन को बढ़ावा देने में योगदान देने का भी आह्वान किया। उन्होंने कहा, राज्यों को वैश्विक मानकों के अनुरूप तथा सभी सुविधाएं और इंफ्रास्ट्रक्चर उपलब्ध करवाते हुए प्रत्येक राज्य में कम से कम एक पर्यटन स्थल विकसित करना चाहिए। एक राज्य, एक वैश्विक गंतव्य बनाया जाना चाहिए। इससे पड़ोसी शहरों का भी पर्यटन स्थल के रूप में विकास होगा। पीएम मोदी ने 140 करोड़ नागरिकों की आकांक्षा को 'विकसित होना' बताया और कहा, ÷विकसित भारत हर भारतीय का लक्ष्य है। जब हर राज्य विकसित होगा तभी भारत भी विकसित होगा। यह 140 करोड़ नागरिकों की आकांक्षा है। इसके अलावा, उन्होंने देश के वर्कफोर्स में महिलाओं की संख्या बढ़ाने का भी आह्वान किया। उन्होंने कहा, हमें अपने वर्कफोर्स में महिलाओं को शामिल करने की दिशा में काम करना चाहिए। हमें ऐसे कानून और नीतियां बनानी चाहिए, जिससे महिलाओं को वर्कफोर्स में सम्मानपूर्वक शामिल किया जा सके। भारत मंडपम, नई दिल्ली में आयोजित होने वाली इस गवर्निंग काउंसिल की बैठक का विषय 'विकसित भारत: 2047 के लिए विकसित राज्य' है।

## लातेहार में पुलिस मुठभेड़ में 10 लाख का इनामी पप्पू लोहरा सहित दो नक्सली ढेर

**एजेंसी**

**लातेहार ।** झारखंड के लातेहार जिला अंतर्गत इचवार जंगल में शनिवार की सुबह पुलिस के साथ मुठभेड़ में 10 लाख का इनामी पप्पू लोहरा समेत दो नक्सली मारे गए हैं। मारे गए दूसरे नक्सली की पहचान प्रभात लोहरा के रूप में हुई है। दोनों प्रतिबंधित संगठन झारखंड संघर्ष मुक्ति मोर्चा से जुड़े थे। मुठभेड़ के बाद जंगल की घेराबंदी कर पुलिस और सुरक्षा बलों की टीम सर्च ऑपरेशन चला रही है। बताया गया कि लातेहार के पास नक्सलियों के मूवमेंट की सूचना मिलने पर एसपी कुमार गौरव के नेतृत्व में पुलिस और सुरक्षा बलों की टीम जंगल में सर्च ऑपरेशन में निकली थी।

सुबह करीब 8 बजे इचवार जंगल में पुलिस और जेजेएमपी नक्सली दस्ते का आमना-सामना हो गया। दोनों ओर से हुई गोलीबारी में दो नक्सली मारे गए, जबकि कुछ अन्य जंगल का लाभ उठाते हुए भाग निकले। बाद में मारे गए नक्सलियों की पहचान पप्पू लोहरा और प्रभात लोहरा के रूप में हुई। मौके से एक एके-47 सहित कई हथियार और नक्सलियों के सामान बरामद किए गए हैं।

पुलिस के अनुसार, नक्सली किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने के इरादे से इकट्ठा हुए थे। 10 लाख

के इनामी पप्पू लोहरा पर झारखंड के कई थाना क्षेत्रों में नक्सली वारदात के मामले दर्ज हैं। 28 सितंबर 2021 को लातेहार जिले के सलैया जंगल में पप्पू लोहरा के दस्ते के साथ सुरक्षाबलों की मुठभेड़ हुई थी, जिसमें बीएसएफ के डिप्टी कमांडेंट राजेश कुमार शहीद हो गए थे। इस मुठभेड़ में एक नक्सली भी मारा गया था।

## महिलाओं को एक भाषा में, एक स्वर में और एक उद्देश्य के लिए बोलना चाहिए- दीया कुमारी

**● उप मुख्यमंत्री ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय सेना के प्रयासों के लिए अपना आभार व्यक्त किया।**

**एजेंसी**

**जयपुर।** दुनिया भर में महिलाओं को एक जैसी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। यदि महिलाएं एकजुट होकर, एक स्वर और एक भाषा में बोलें, तो कोई भी ताकत उन्हें किसी भी क्षेत्र में अपने लक्ष्य हासिल करने से नहीं रोक सकती। यह बात राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने आज जयपुर में आयोजित आईडब्ल्यूएन राजस्थान वुमन लीडरशिप समिट 2025 के छठे संस्करण के दौरान सेलिब्रेटिंग ट्रांसफॉर्मेटिव लीडरशिप थीम पर एक सत्र में विशेष संबोधन के दौरान कही। समिट का आयोजन कन्फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री (सीआईआई) - इंडियन वुमन नेटवर्क (आईडब्ल्यूएन), राजस्थान चैप्टर द्वारा किया गया था। दीया कुमारी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की महिला सशक्तिकरण की पहलों की

सराहना की, जैसे 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' और संसद में महिलाओं को 33फीसदी आरक्षण देने का ऐतिहासिक निर्णय। उन्होंने महिलाओं से आग्रह किया कि वे समाज में बदलाव की प्रेरक शक्ति बनें और वंचित वर्ग की महिलाओं को सरकारी योजनाओं और नीतियों का लाभ दिलाने में मदद करें। उप मुख्यमंत्री ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय सेना के प्रयासों के लिए अपना आभार व्यक्त किया। उन्होंने अपने निजी अनुभव साझा करते हुए कहा कि एक सैन्य परिवार की बेटी होने के नाते, वह सेना के बलिदान और सेवा भाव को अच्छे से समझती हैं। इसके साथ ही, उन्होंने राजस्थान के विकास में कन्फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री (सीआईआई) की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला और सीआईआई की सक्रिय भागीदारी के साथ राइजिंग राजस्थान पहल को विकास का एक सफल मॉडल बताया।

## भजनलाल सरकार के सारे दावे खोखले, जनता बेहाल - अशोक गहलोत

**● प्रदेश में लोगों को समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।**

**एजेंसी**

**जयपुर।** कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राज्य सरकार की तरफ से निवेश के दावे किए जाने को शनिवार को खोखला बताया। उन्होंने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि मुख्यमंत्री जी यह सब अपने मन से नहीं कह रहे हैं, बल्कि उनसे कहलवाया जा रहा है। वह जो कुछ भी बोल रहे हैं, उसकी सच्चाई से कोई लेना-देना नहीं है। उन्होंने प्रदेश में लोगों को हो रही पेयजल समस्या का भी जिक्र किया। गहलोत ने कहा कि प्रदेश में लोगों को समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। लेकिन, सरकार का दोहरा पैमाना देखिए कि एक तरफ जहां ये लोग सार्वजनिक मंचों पर बड़े-बड़े दावे कर रहे हैं, तो वहीं दूसरी तरफ आम जनता को किस तरह की परेशानियों का सामना

करना पड़ रहा है। आखिर इसका जिम्मेदार कौन है? उन्होंने मनरेगा श्रमिकों पर कहा कि मौजूदा समय में उन्हें कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। लेकिन, प्रशासन की तरफ से कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। प्रशासन को चाहिए कि श्रमिकों से एक घंटा कम काम कराया जाए। हमारे श्रमिकों के ऊपर काम का अत्यधिक बोझ डाला जा रहा है, जिससे उन्हें कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि एक सोची-समझी साजिश के तहत हमारी पार्टी की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी और राहुल गांधी को निशाना बनाने की कोशिश की जा रही है। उन पर राजनीतिक हमले करके हमारे हौसले को पस्त करने की कोशिश की जा रही है, लेकिन हमारा हौसला पस्त नहीं होगा। उन्होंने नेशनल हेराल्ड मामले में ईडी की कार्रवाई को भाजपा की साजिश बताया।

## पाकिस्तानी गोलीबारी के पीड़ित परिवारों से मिले राहुल गांधी, दिलाया हर संभव मदद का भरोसा

**एजेंसी**

**पुंछ ।** कांग्रेस नेता राहुल गांधी 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद पाकिस्तानी गोलीबारी से प्रभावित लोगों से मिलने शनिवार को जम्मू-कश्मीर के पुंछ पहुंचे। गांधी ने पीड़ित परिजनों को आश्वस्त किया कि इस मुश्किल समय में वो उनके साथ हैं। स्कूली बच्चों से भी राहुल मिले और हौसला बढ़ाते हुए कहा कि वो उनसे बहुत प्यार करते हैं। उन्होंने कहा कि यह बहुत बड़ी त्रासदी है। इसमें कई लोग मारे गए। बड़े पैमाने पर संसाधनों को भी नुकसान पहुंचा है। हमने लोगों से मुलाकात की। उनका दुख-दर्द जाना। हमने लोगों की समस्या को समझने की कोशिश की।

उन्होंने कहा कि मुलाकात के दौरान लोगों ने मुझे अपनी कुछ समस्याएं बताईं और मुझसे आग्रह किया कि इसे मैं राष्ट्रीय स्तर पर उठाऊं। मैं निश्चित तौर पर इसे राष्ट्रीय स्तर पर उठाऊंगा और मेरी

कोशिश रहेगी कि इन लोगों की समस्या का समाधान किया जाए। राहुल गांधी ने पुंछ में स्कूली बच्चों से भी मुलाकात की। उनसे कहा, आप लोग घबराइए मत। इस मुश्किल वक्त में मैं आपके साथ खड़ा हूं। मैं आप लोगों से बहुत प्यार करता हूं। आप लोगों को टेंशन लेने की बिल्कुल भी जरूरत नहीं है।

कांग्रेस नेता ने स्कूली बच्चों से कहा कि आप लोग इस मुश्किल घड़ी से बाहर निकलने के लिए मन लगाकर पढ़ें और खूब दोस्त बनाएं। मैं आप सभी लोगों को विश्वास दिलाता हूं कि एक दिन सब ठीक हो जाएगा। पुंछ में, उन्होंने 12 वर्षीय जुड़वा भाई-बहनों, जोया और जैन के माता-पिता से मुलाकात की। दोनों बच्चों की पाकिस्तान की ओर से हुई गोलाबारी में जान चली गई थी। विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि इस यात्रा का उद्देश्य ÷पाकिस्तानी आक्रमण के पीड़ितों के साथ खड़ा होना और चल रही शत्रुता की मानवीय कीमत को उजागर करना था। इसके अलावा, राहुल गांधी ने ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान की तरफ से की गई गोलीबारी में क्षतिग्रस्त हुए धार्मिक स्थलों का भी दौरा किया और लोगों से बातचीत की।

## एक्टर मुकुल देव का निधन

**एजेंसी**

**मुंबई ।** 'आर... राजकुमार' और 'जय हो' जैसी फिल्मों में अपनी दमदार अभिनय के लिए पहचाने जाने वाले अभिनेता मुकुल देव का निधन हो गया है। उनके निधन की खबर से फिल्म और टीवी इंडस्ट्री में शोक की लहर दौड़ गई है। मुकुल देव एक लोकप्रिय और मेहनती कलाकार थे, जिन्होंने अपने करियर में कई फिल्मों और टीवी शोज में काम किया। उन्होंने अपनी प्रतिभा से कई लोगों का दिल जीता था। उन्होंने न केवल मुख्य भूमिकाएं निभाई, बल्कि सहायक भूमिकाओं में भी अपनी छाप छोड़ी। रात को अभिनेता ने 54 साल की उम्र में अंतिम सांस ली। खबर लिखे जाने तक अभिनेता के निधन के कारणों का पता नहीं चल पाया है। उनकी करीबी दोस्त और एक्ट्रेस दीपशिखा नागपाल ने सोशल मीडिया पर इस खबर की पुष्टि की और इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक पुरानी तस्वीर शेयर करते हुए लिखा, 'आरआईपी।' उन्हें आखिरी बार हिंदी फिल्म 'अंत द एंड' में देखा गया था। वह अभिनेता राहुल देव के भाई थे। मुकुल देव ने साल 1996 में तनुजा चंद्रा के धारावाहिक 'मुमकिन' के जरिए टीवी इंडस्ट्री में कदम रखा। उस समय

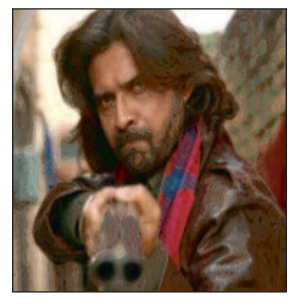

महेश भट्ट ने उन्हें देखा और उन्हें साइकोलॉजिकल थ्रिलर 'दस्तक' में सुष्मिता सेन और शरद कपूर के साथ कास्ट किया। उनके काम को लोगों ने काफी सराहा। इसके बाद उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा।

## एटीएस ने गुजरात से किया संदिग्ध पाकिस्तानी जासूस गिरफ्तार

**एजेंसी**

**अहमदाबाद।** गुजरात के आतंकवाद निरोधक दस्ता (एटीएस) ने कच्छ से पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के लिए जासूसी करने के आरोप में सहदेव सिंह गोहिल (28) को गिरफ्तार किया है। आरोपित गुजरात के विभिन्न स्थानों की गुप्त जानकारी एकत्र करके पाकिस्तान को भेज रहा था। एटीएस ने आरोपी के पास से महत्वपूर्ण दस्तावेज जब्त किए हैं। उसे आगे की पूछताछ के लिए अहमदाबाद ले जाया गया है। गुजरात एटीएस के पुलिस अधीक्षक के. सिद्धार्थ ने शनिवार को अहमदाबाद में प्रेसवार्ता में कहा कि कच्छ के दयापर क्षेत्र से गुजरात एटीएस ने सहदेव गोहिल को गिरफ्तार किया है। आरोपित पीएचसी मातानी मढ़ी में संविदा पर मल्टीपर्पज हेल्थ वर्कर के रूप में तैनात है। वह जल सेना (नेवी) और सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की गुप्त जानकारी पाकिस्तानी एजेंट को भेज रहा था। एटीएस की जांच में पता चला कि सहदेव ने नए निर्माण क्षेत्रों के फोटो और विवरण एक पाकिस्तानी महिला एजेंट, जो अदिति भारद्वाज नाम से जानी जाती है को वाट्सएप के जरिए भेजे थे। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि सूचना मिली थी कि कच्छ जिले का एक युवक बीएफएफ और नेवी की जानकारी पाकिस्तान को भेज रहा है। बाद में एक विशेष टीम बनाकर उसे गिरफ्तार किया गया। आदिति भारद्वाज नामक महिला के सम्पर्क में आने के बाद सहदेव सीमावर्ती क्षेत्र की संवेदनशील जानकारी वाट्सएप के जरिए भेज रहा था।

## संक्षिप्त समाचार

### मुख्यमंत्री दाल-भात केन्द्र निरीक्षण के क्रम में डीसी, एसपी एवं डीएसओ ने भोजन कर गुणवत्ता को परखा

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़:पाकुड़ उपायुक्त मनीष कुमार व पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार ने शहर के रिलायंस मॉल स्थित मुख्यमंत्री दाल भात केंद्र का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जहां संचालित मुख्यमंत्री दाल-भात केंद्र में आमजनों का भोजन वितरित किया जा रहा था। उपायुक्त ने भोजन कर रहे लोगों की संख्या की जानकारी ली। साथी परोसे जा रहे भोजन की गुणवत्ता की भी जांच की। उपायुक्त ने कहा कि भोजन निर्माण में गुणवत्ता का ख्याल रखा जाए। इसमें लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। गुणवत्ता जांच के लिए उपायुक्त तथा पुलिस अधीक्षक एवं जिला आपूर्ति पदाधिकारी ने मौके पर भोजन कर गुणवत्ता को परखा।

### महेशपुर में प्रोजेक्ट जागृति के तहत रक्तदान शिविर का किया गया आयोजन

रिपोर्ट अविनाश मंडल

पाकुड़:महेशपुर प्रोजेक्ट जागृति के तहत जिला प्रशासन के तत्वावधान में प्रत्येक 24 तारीख को होने वाले रक्तदान शिवर सीएचसी महेशपुर में लगाया गया. वही सीएचसी प्रभारी डॉ सुनील कुमार किस्कू की मौजूदगी में कर्मियों ने रक्तदान किया. सभी रक्तदाताओं को प्रमाण-पत्र दिया गया. रक्तदाताओं ने जिला प्रशासन की ओर से आयोजित रक्तदान शिविर सराहनीय प्रयास बताया. मौके पर सीएचसी प्रभारी सुनील कुमार किस्कू, बीएम शैलेश कुमार, मनीष कुमार, शौकत अली सहित अन्य मौजूद थे।

### राशन कार्ड धारी को जून में मिलेगा 2 महीने का राशन, बीडीओ ने दिया दिशा निर्देश

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़:महेशपुर प्रखंड कार्यालय के सभागार भवन में शनिवार को बीडीओ सिद्धार्थ शंकर यादव के अध्यक्षता में सभी जनप्रतिनिधि पंचायत समिति सदस्य, मुखियाओं, वार्ड सदस्य व पंचायत सचिवों के साथ बैठक आयोजित की गई. बैठक में बीडीओ ने गुलाबी व पिला कार्डधारी को अगले जून व जुलाई माह का राशन 1 जून से 15 जून तक और अगस्त माह का राशन 16 से 30 जून तक वितरण की जाएगी. जिसको लेकर जनप्रतिनिधि व पंचायत सचिवों को सभी अपने - अपने क्षेत्र में मॉनिटरिंग करते हुए प्रत्येक लाभुको को ससमय राशन पूर्ण कराने को लेकर चर्चा कर कई निर्देश दिए गए. मौके पर प्रमुख शुभलक्ष्मी मुर्मू, बीपीआरओ प्रसेनजीत मंडल, प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी फखरे आजम, कलाम अंसारी, पंचायत समिति सदस्य, मुखिया, सचिव, वार्ड सदस्य सहित अन्य मौजूद थे.

### खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी धनेश्वर हेंब्रम ने विभिन्न खाद्य प्रतिष्ठानों का किया जांच

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़:पाकुड़ खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी के द्वारा खास तौर पर आम एवं केला के फलों की जांच की गई, जांच के दौरान सभी फल दुकानदारों को कैल्शियम कार्बाइड के बुरे प्रभाव के बारे में जानकारी दी गई तथा इसका इस्तेमाल फलों को पकाने में नहीं करने की हिदायत दी गई। उन्होंने बताया कि जो भी कैल्शियम कार्बाइड से फल पकाएगा उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी एवं इस संबंध में जांच जारी रहेगी। मेराज के राशन दुकान से जांच के क्रम में 12 केन स्प्राइट एक्सपायर पाये गये, जिसे नष्ट कराया गया। साथ ही खाद्य कारोबारी को फूड लाइसेंस या रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट दुकान पर प्रदर्शित करने का निर्देश दिया गया। पनीर एवं बिस्कुट का नमुना भी संग्रह किया गया।

# पारामाउण्ट एकेडमी के प्रांगण में प्राइड ऑफ पारामाउण्ट समारोह का आयोजन

## प्रिंस कुमार बने जिला टॉपर

दिव्य दिनकर संवाददाता
तारापुर

पारामाउण्ट एकेडमी के प्रांगण में प्राइड ऑफ पारामाउण्ट समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सीबीएसई की दसवीं और बारहवीं की परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को विद्यालय प्रबंधन की ओर से मेडल, मोमेंटो और उपहार देकर सम्मानित किया गया।दसवीं कक्षा में प्रिंस कुमार (पुत्रः समुन राजहंस) ने 97.4% अंक प्राप्त कर मुंगेर जिला में प्रथम स्थान हासिल किया, जिससे उन्होंने न केवल विद्यालय बल्कि पूरे तारापुर का नाम रोशन किया। इसी क्रम में पल्लवी सिंह ने 95.2% अंक के साथ दूसरा स्थान प्राप्त किया। सक्षम कुमार (94.8%), यश सिन्हा (94.7%), प्रज्ञा प्रेयसी (93.8%) और प्रतीक्षा सिन्हा (91.2%) ने क्रमशः तीसरे से छठे स्थान तक अपनी जगह बनाई।बारहवीं कक्षा में खुशी कुमार ने 90.4% अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान

प्राप्त किया। शालिनी कुमारी (90.2%) और आदित्य कुमार सिंह (88%) ने क्रमशः दूसरा और तीसरा स्थान प्राप्त किया। वहीं उन्नति कुमारी (87.8%) चौथे, और सहोदर भाई ओम भगत एवं हरि भगत ने 87.4% अंक के साथ क्रमशः पाँचवां और छठा स्थान प्राप्त किया।सम्मान समारोह में विद्यालय के वरिष्ठ प्रबंध समिति सदस्य परिमल किशोर झा, पारामाउण्ट लोक कल्याण समिति के पूर्व अध्यक्ष एन. के. सिंह, पूर्व प्रबंधक वेदानंद झा, स्कूल मैनेजर कुमारी अनुराधा, प्रबंध निदेशक श्वेता मंजरी, प्राचार्य उमेश पाठक और एकेडमी इंचार्ज मो. अलीम उद्दीन उपस्थित रहे और सभी मेधावी छात्रों को सम्मानित किया।छात्रों ने अपने वक्तव्य में अपनी सफलता का श्रेय विद्यालय के शिक्षकों को देते हुए कहा कि उनके मार्गदर्शन और ज्ञान के बिना यह उपलब्धि संभव नहीं थी। उन्होंने राज्य स्तर पर टॉपर बनने और भविष्य में IIT, NEET व सिविल सेवा की तैयारी कर देश सेवा की इच्छा भी जताई। कार्यक्रम के दौरान छात्र-छात्राओं की खुशी देखते ही बनती थी।

## देवघर में 25 मई को होगी एआईएफटीओ की नेशनल एग्जीक्यूटिव कमेटी की बैठक

**झारखंड में पहली बार वृहत स्तर पर आयोजन, 22 राज्यों और 3 केंद्र शासित प्रदेशों के 68 प्रतिनिधि होंगे शामिल**

**देवघर,** ऑल इंडिया फेडरेशन ऑफ टीचर्स ऑर्गेनाइजेशन की नेशनल एग्जीक्यूटिव कमेटी की महत्वपूर्ण बैठक 25 मई को देवघर के पीटीआई में आयोजित होगी। इस बैठक में देश के 22 राज्यों और 3 केंद्र शासित प्रदेशों से 68 प्रतिनिधि हिस्सा लेंगे। आयोजन का जिम्मा झारखंड स्टेट प्राइमरी टीचर्स एसोसिएशन ने संभाला है।

एआईएफटीओ के नव नियुक्त मुख्य संरक्षक डॉ. सुनील खवाड़े और राष्ट्रीय महासचिव छगनलाल रोज ने संयुक्त प्रेसवार्ता में बताया कि कार्यक्रम दो सत्रों में होगा। पहला सत्र सुबह 9 से 11 बजे तक जेएसपीटीए का अधिवेशन होगा, जिसमें झारखंड के सभी जिलों के प्रतिनिधि शामिल होंगे। इसके बाद सुबह 11:30 से शाम 6 बजे तक

एआईएफटीओ की नेशनल एग्जीक्यूटिव कमेटी की बैठक होगी। महासचिव रोज ने कहा कि झारखंड में पहली बार एआईएफटीओ की नेशनल एग्जीक्यूटिव कमेटी की बैठक इतने बड़े पैमाने पर हो रही है। संगठन का उद्देश्य सरकारी शिक्षा की स्थिति में सुधार लाना, शिक्षकों को गैर-शैक्षणिक कार्यों से मुक्त रखना और शिक्षा व शिक्षकों के हित में काम करना है। उन्होंने बताया कि शिक्षकों को गैर-शैक्षणिक कार्यों में लगाए जाने से सरकारी स्कूलों में शिक्षा का स्तर लगातार गिर रहा है। इस बैठक में इन मुद्दों पर प्रस्ताव पारित किए जाएंगे, जिन्हें केंद्र और राज्य सरकारों तक पहुंचाया जाएगा।

## झामुमो ने सरना धर्म कोड की मांग को लेकर बनाई रणनीति

रिपोर्ट अविनाश मंडल

पाकुड़:पाकुड़िया प्रखंड के झामुमो कार्यालय में झामुमो कार्यकताओं की एक आवश्यक बैठक सम्पन्न हुई। जिसकी अध्यक्षता प्रखंड अध्यक्ष मोतीलाल हांसदा ने की। वही मंच संचालन प्रखंड सचिव मैनुद्दीन अंसारी ने किया। बैठक में मुख्य रूप से जिला मुख्यालय में आगामी 27 मई दिन मंगलवार को होने जा रहे एक दिवसीय धरना प्रदर्शन कार्यक्रम को सफल बनाने को लेकर चर्चा हुई। बैठक को संबोधित करते हुए प्रखंड मोतीलाल हांसदा ने कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार ने बिना सरना कोड/ आदिवासी धर्म कोड लागू किये जातिगत जनगणना कराने का निर्णय लिया है जो कि भाजपा की आदिवासी विरोधी मानसिकता को दशार्ता है। हमारी पार्टी और हमारे नेता माननीय मुख्यमंत्री श्री हेमंत सोरेन जी ने हमेशा से आदिवासी हितों व अधिकारों की रक्षा की लड़ाई लड़ी। आज समय आ गया है कि अगर सरना धर्म कोड नही मिलता है तो हमारी पार्टी पूरे राज्य में जातिगत जनगणना नही होने देगी। इसके विरोध में हम सभी आगामी 27 मई को भारी संख्या में जिला मुख्यालय पहुँच विरोध प्रदर्शन

करेंगे। मौके पर जिला उपाध्यक्ष हरिवंश चौबे,खुर्शीद आलम , निवारण मरांडी, मंजर आलम, कालिदास टुडू, मुनीराम मरांडी, महेशपुर प्रखंड अध्यक्ष अब्दुल वदूद, कुबराज मरांडी, मैनेजर मरांडी, मुसारफ हुसैन, लालबाबू अंसारी, अजीमुद्दीन अंसारी, मंटू भगत, लालबाबू शेख, तुहिदुल शेख,मनाफ अंसारी, मैतलाल टुडू सहित अनेक झामुमो कार्यकर्त्ता उपस्थित थे।

## पाकुड़ डीसी ने जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान की समीक्षात्मक बैठक आयोजित की

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़:पाकुड़ डीसी मनीष कुमार की अध्यक्षता में जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, पाकुड़ की समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में उपायुक्त मनीष कुमार ने कहा कि जिले में उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षक, प्रशिक्षक एवं अन्य उत्कृष्ट कार्य करने वाले को डायट पाकुड़ के माध्यम से प्रत्येक माह एवं आवश्यकता अनुसार प्रत्येक सप्ताह सम्मानित किया जाएगा। साथ ही प्राथमिक शिक्षकों के लिए ₹ए फोर एलेक्साह्व प्रशिक्षण डायट पाकुड़ में किया जाएगा।शिक्षकों के लिए डायट पाकुड़ में मानसिक स्वास्थ्य का प्रशिक्षण, शिक्षकों के लिए डायट

पाकुड़ में धूम्रपान निषेध से संबंधित प्रशिक्षण/ कार्यशाला, शिक्षकों/विद्यार्थियों के यौन उत्पीड़न से बचाव/सुरक्षा हेतु आवश्यक प्रशिक्षण कार्यशाला कराने एवं पाकुड़ जिले के सरकारी विद्यालयों के शिक्षकों के लिए टीचर ट्रेनिंग मॉडल निर्माण कराने का निर्देश दिया गया ताकि शिक्षक विद्यालय में कैसे बेहतर रूप से विद्यार्थी को पढ़ाये इसे सुनिश्चित किया जा सके।-विद्यार्थियों के लिए जिलास्तर से आयोजित किए जाने वाले टेस्ट सीरीज ओलंपियाड एवं अन्य परीक्षा से संबंधित प्रश्न पत्र का निर्माण करने, विज्ञान प्रदर्शनी एवं अपशिष्ट पदार्थ से बने नए मॉडल से संबंधित प्रदर्शनी का आयोजन कराने हेतु निर्देशित किया गया। जिला स्तर पर संचालित प्रोजेक्ट परख के आलोक मे शिक्षा के क्षेत्र मे शिक्षकों/विद्यार्थियों के लिए आवश्यक तैयारी करने/करवाने का निर्देश दिया गया। बैठक में प्राचार्य, डायट पाकुड़ संतोष गुप्ता, प्रभारी प्राचार्य सह संकाय सदस्य राकेश रजक, संकाय सदस्य वरुण गणाई, रविकांत एवं लिपिक मुस्ताफिजुर उपस्थित थे।

### जल जमाव की समस्या से शहरवासियों को मिलेगा जल्द निजात डीसी व एसपी ने किया निरीक्षण

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़:पाकुड़ जिले में विगत दो दिनों से हो रही बारिश से शहर में हुए जल जमाव को लेकर डीसी मनीष कुमार एसपी प्रभात कुमार एवं उप विकास आयुक्त महेश कुमार संथालिया ने शहरी क्षेत्र का दौरा किया। उनके साथ विशेष कार्य पदाधिकारी, प्रशासक नगर परिषद भी मौजूद रहे। उपायुक्त ने शहर में कई स्थानों पर जल जमाव देखकर पानी निकासी के लिए समुचित व्यवस्था हेतु संबंधित विभागों के अधिकारियों को उचित कदम उठाने के निर्देश दिए।

## जीविका महिला संवाद कार्यक्रम में सरकारी योजनाओं की दी गई जानकारी, दीदियों ने रखी अपनी मांगें

दिव्य दिनकर संवाददाता संग्रामपुर।

शुक्रवार को संगम जीविका महिला ग्राम संगठन, चंदनिया-संग्रामपुर में प्रथम पाली का महिला संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें करीब 230 दीदियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन सामुदायिक समन्वयक प्रेमलता कुमारी और बिपिन कुमार ने किया। कार्यक्रम की शुरूआत में मुख्यमंत्री द्वारा प्रेषित संदेश पत्र को दीदियों को पढ़कर सुनाया गया। इसके बाद एक वैन में लगे एलईडी स्क्रीन के माध्यम से सरकार की विभिन्न महिला और बाल विकास योजनाओं की जानकारी साझा की गई। इन योजनाओं में मुख्यमंत्री बालिका पोशाक योजना, साइकिल योजना, मुख्यमंत्री महिला उद्यमी योजना, स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना, किशोरी स्वास्थ्य योजना, सतत जीविकोपार्जन योजना, दीदी की रसोई, दीदी का अधिकार केंद्र, आदि शामिल थीं। सरकारी योजनाओं से लाभान्वित खुशबू दीदी, सीमा दीदी, रीता दीदी, ममता देवी, संगीता दीदी, बबीता दीदी, अर्चना

दीदी आदि ने मंच से अपने अनुभव साझा करते हुए सरकार के प्रति आभार जताया।कार्यक्रम में दीदियों ने अपनी विभिन्न मांगें भी रखीं। संगठन की अध्यक्ष रीता दीदी ने ग्राम संगठन भवन की मांग की, जबकि वार्ड 10, 11 और 12 में जल-निकासी और नल-जल योजना की खस्ताहाल स्थिति पर चिंता जताते हुए समाधान की अपील की। शांति दीदी ने बस स्टैंड पर सार्वजनिक शौचालय की मांग की, वहीं सावित्री दीदी ने वृद्धजन पेंशन योजना की राशि बढ़ाने की बात कही। डिंपल दीदी, मीरा दीदी और अन्य सदस्यों ने बेलहरनी नदी पर पुल और छठ घाट निर्माण की मांग की। फुलन दीदी और कुंती दीदी ने खेल मैदान में घेरा, जीविका भवन, उछऋ और ग्राम संगठन के लिए अलग-अलग भवन की मांग के साथ-साथ समूह ऋण पर ब्याज दर को 1% से घटाकर 0.5% करने की मांग रखी। इसके अतिरिक्त आरएफ को 30,000 से बढ़ाकर 1 लाख और आईसीएफ को 1.5 लाख से बढ़ाकर 5 लाख करने की मांग की गई। दीदियों ने उच्च शिक्षा के लिए निःशुल्क कोचिंग, अनाज गोदाम, दलहन बीज पर 100% सब्सिडी और फसल बीमा को निःशुल्क करने की भी मांग की। कार्यक्रम के अंत में सभी दीदियों ने सामाजिक कर्तव्यों और दायित्वों के प्रति निष्ठा से कार्य करने की शपथ ली। कार्यक्रम में लेखापाल दिवाकर कुमार, सीएम खुशबू देवी, सीएफ रजनी कुमारी, भीआरपी सीमा कुमारी, एमबीके विभूति मंडल, एमआरपी गुड्डू कुमार, कंचन लता समेत अन्य जीविका पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

### प्रखंड में आयुष्मान कार्ड को लेकर तीन दिवसीय शिविर

दिव्य दिनकर संवाददाता धरहरा।

आयुष्मान कार्ड बनाने को लेकर तीन दिवसीय विशेष अभियान की सफलता को लेकर जिलाधिकारी के निर्देश पर प्रखंड मुख्यालय में प्रखंड विकास पदाधिकारी राकेश कुमार की अध्यक्षता में प्रखंड प्रमुख, उप प्रमुख, समिति सदस्यगण, मुखिया, सरपंच, वार्ड सदस्य, पंच सदस्य, जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक की गई। बैठक में प्रखंड विकास पदाधिकारी ने कहा कि धरहरा प्रखंड में आयुष्मान कार्ड 25 प्रतिशत ही बना है। लक्ष्य को बढ़ाने को लेकर 26 से 28 मई तक सभी पंचायत में शिविर लगाकर आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना व मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना के अंतर्गत आयुष्मान कार्ड बनाया जाना है। राशन कार्ड धारी प्रत्येक परिवार के सदस्य को आयुष्मान कार्ड योजना से जोड़ना है। पंचायत भवन, पंचायत सरकार भवन, सभी जन वितरण प्रणाली की दुकान में कैंप लगाए जाएंगे। आयुष्मान कार्ड का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को मुफ्त चिकित्सा सुविधा प्रदान करता है। आयुष्मान कार्ड धारकों को हर साल पांच लाख रुपए तक के कैशलेस मुफ्त इलाज की सुविधा मिलती है। शिविर तक लाभुकों को भेजने हेतु जनप्रतिनिधियों से सहयोग की अपील की गई। इस स्वास्थ्य कार्ड के माध्यम से लाभुकों को चयनित अस्पताल में पांच लाख रुपये तक का निःशुल्क इलाज करवा सकते हैं। अथार्भाव में किसी व्यक्ति का इलाज बाधित होने से की समस्या से निजात मिल जाएगी। इस दौरान प्रखंड प्रमुख पल्लवी भारती, उप प्रमुख नीरज

## गाड़ीलौंग में महाभंडारे के साथ नौ दिवसीय महायज्ञ का समापन

दिव्य दिनकर:संवाददाता

टंडवा:चतरा। गाडीलौग में महाभंडारे और पूणार्हुति के बाद आयोजित रूद्र महायज्ञ शनिवार को शांति पूर्वक संपन्न के बाद इसके पूर्व आठ दिनों तक हजारों लोगों ने यज्ञमंडप का परिक्रमा किया। मंत्रोच्चार से गाड़ीलौंग में भक्ति के ब्यार बहे।मंदिर बनाने से लेकर महायज्ञ के समापन तक लगभग 75 लाख से अधिक खर्च हुए।यह राशि ग्रामीणों ने आपसी सहयोग कर किया।इस महायज्ञ को संपन्न करवाने में महायज्ञ समिति के अध्यक्ष दीपू कुमार चौरसिया,कोषाध्यक्ष सोनू कुमार चौरसिया, सचिव मनीष कुमार चौरसिया, उपाध्यक्ष महेंद्र यादव, उपसचिव राहुल चौरसिया मीडिया प्रभारी कुलदीप दास, पूजा प्रभारी जुगल साव, द्वारका बरई, तिलेश्वर साव,प्रताप चौरसिया विजय गिरी सुनील चौरसिया,चिंतामन बरई, कालेश्वर साव राम लखन साव अजीत यादव शशि चौरसिया प्रदीप साव, भीम साव मनोज राणा सुरेंद्र चौरसिया लालमन साव विपिन यादव, शिक्षक मीनू गुप्ता, शिक्षक जगदीश राम,प्रवीण यादव उपेंद्र यादव, पप्पू चौरसिया, राजू चौरसिया, सुधीर चौरसिया पवन चौरसिया पिंटू राणा विनय भुइंया रामप्रवेश साव दिनेश यादव समेत सैकड़ो लोगों ने अहम भूमिका निभाया।

## संक्षिप्त समाचार

### नगर पंचायत संग्रामपुर के कई वार्डों में पेयजल संकट गहराया,

**नल-जल योजना फेल, चापाकल भी पड़े हैं बंद, ग्रामीणों में बढ़ा आक्रोश ।**

**दिव्य दिनकर संवाददाता संग्रामपुर।**

नगर पंचायत संग्रामपुर के वार्ड संख्या 10, 11 और 12 के ग्रामीणों ने पेयजल संकट को लेकर गहरी नाराजगी जताई है। शनिवार को स्थानीय निवासी रूबी देवी, नाथो देवी, सजनी देवी, सरिता देवी, सुधीर साह, शंकर शर्मा, मंटू राम सहित अन्य लोगों ने बताया कि सरकार की महत्वाकांक्षी हर घर नल का जलश् योजना यहां पूरी तरह फेल हो चुकी है। ग्रामीणों के अनुसार, इन तीनों वार्डों में नल जल योजना से मात्र एक चौथाई आबादी को ही पानी मिल रहा है, जबकि बाकी लोग पानी की भारी किल्लत झेल रहे हैं। वार्डों में लगे अधिकांश चापाकल लंबे समय से खराब पड़े हैं। ग्रामीणों ने कई बार विभाग से मरम्मत की मांग की, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। स्थानीय महिलाओं ने बताया कि मजबूरी में एक मात्र पुराने कुएं के दूषित पानी से घर का सारा काम करना पड़ता है, जिसमें नहाना, कपड़े धोना और यहां तक कि खाना पकाने के लिए पानी लेना शामिल है। बारिश के कारण कुएं के पानी में कीड़े पड़ गए हैं, जिसे कपड़े से छानकर इस्तेमाल करना पड़ता है। इसी पानी से स्कूल में मिड-डे मील भी बनाया जाता है, जिससे स्कूली बच्चे लगातार बीमार पड़ रहे हैं। ग्रामीणों ने नगर पंचायत प्रशासन पर उदासीनता का आरोप लगाते हुए कहा कि गठन के 22 महीने बीत जाने के बावजूद न तो कोई विकास कार्य हुआ है और न ही पेयजल संकट का समाधान किया गया है। नल-जल योजना के तहत डाली गई पाइपलाइन कई स्थानों पर क्षतिग्रस्त है, जिससे पानी लोगों तक नहीं पहुंच पा रहा है। कई घरों में अब तक पाइपलाइन ही नहीं बिछाई गई है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द पेयजल व्यवस्था दुरुस्त नहीं की गई तो वे सड़क जाम कर आंदोलन करेंगे।

### ऑल इंडिया फेडरेशन ऑफ टीचर्स ऑर्गेनाइजेशन के नेशनल एग्जीक्यूटिव कमेटी की मीटिंग आज



**देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा**

देवघर। ऑल इंडिया फेडरेशन ऑफ टीचर्स ऑर्गेनाइजेशन (एआईएफटीओ) के नेशनल एग्जीक्यूटिव कमेटी की मीटिंग 25 मई को देवघर के पीटीआई में होगी। इसमें पूरे देश के 22 राज्य और 3 केंद्र शासित प्रदेशों से 68 प्रतिनिधि भाग लेंगे। मीटिंग का आयोजन झारखंड स्टेट प्राइमरी टीचर्स एसोसिएशन (जेएसपीटीए) कर रही है। कार्यक्रम दो सत्रों में होगा। पहले सत्र में सुबह 9 से 11 बजे तक जेएसपीटीए का अधिवेशन होगा। इसके बाद 11.30 से लेकर शाम 6 बजे तक एआईएफटीओ की नेशनल एग्जीक्यूटिव कमेटी की मीटिंग होगी। जेएसपीटीए के अधिवेशन में झारखंड के सभी जिलों के प्रतिनिधि भाग लेंगे। यह जानकारी एआईएफटीओ के नव नियुक्त मुख्य संरक्षक डॉ. सुनील खवाड़े और राष्ट्रीय महासचिव छगनलाल रोज ने संयुक्त रूप से प्रेसवार्ता में दी। महासचिव रोज ने बताया कि पहली बार झारखंड में एआईएफटीओ की नेशनल एग्जीक्यूटिव कमेटी की मीटिंग वृहत स्तर पर हो रही है। सरकारी शिक्षा की स्थिति में सुधार लाना, शिक्षकों को गैर शैक्षणिक कार्य से मुक्त रखने समेत शिक्षा और शिक्षकों में हित में एआईएफटीओ काम करती है। शिक्षकों को गैर शैक्षणिक कार्य में लगाए जाने से सरकारी स्कूलों में शिक्षा का स्तर गिरता जा रहा है। इन सब मुद्दों को लेकर नेशनल एग्जीक्यूटिव कमेटी में प्रस्ताव पारित किया जाएगा, जिससे केंद्र और राज्य सरकारों को अवगत कराया जाएगा।

### ट्रक की टक्कर से एक युवक की मौत, दो घायल झ्र एक की हालत नाजुक, भागलपुर रेफर,

**चकवारा गांव से निमंत्रण से लौट रहे थे तीनों युवक, नवगाई पोखर के पास हुआ हादसाः**

**दिव्य दिनकर संवाददाता संग्रामपुर।**

शुक्रवार देर रात संग्रामपुर-तारापुर मुख्य मार्ग पर नवगाई पोखर के समीप एक भीषण सड़क हादसे में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना उस समय हुई जब तीनों युवक एक निमंत्रण समारोह से लौट रहे थे। जानकारी के अनुसार, हरपुर थाना क्षेत्र के बेलाडीह गांव निवासी गौरव कुमार , रोहित कुमार एवं सनोज कुमार मोटरसाइकिल से चकवारा गांव में भोज कार्यक्रम में शामिल होकर अपने गांव लौट रहे थे। नवगाई पोखर के पास बालू लदे एक अज्ञात ट्रक ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर के बाद ट्रक चालक वाहन समेत फरार हो गया। घटना की सूचना मिलते ही संग्रामपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र संग्रामपुर पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने गौरव कुमार को मृत घोषित कर दिया। गंभीर रूप से घायल रोहित कुमार को प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए भागलपुर मायागंज अस्पताल रेफर किया गया, जबकि सनोज कुमार का इलाज स्थानीय केंद्र पर चल रहा है। गौरव कुमार की शादी महज एक माह पहले 14 अप्रैल को घोरपिठिया गांव में हुई थी। हादसे की खबर मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। परिजनों ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ संग्रामपुर थाना में आवेदन देकर कड़ी कार्रवाई की मांग की है। मृतक के घर पहुंचे राजद प्रदेश सचिव जितेंद्र कुमार कुशवाहा, प्रखंड अध्यक्ष विजय यादव समेत अन्य नेताओं ने शोक व्यक्त कर परिवार को ढांढस बंधाया।

# तेलंगाना हाईकोर्ट की अनुमति के बाद शांतिपूर्वक सम्पन्न हुई ग्लोबल पीस मीटिंग

## डॉ. के. ए. पॉल के नेतृत्व में साइलेंट प्रेयर के दौरान विश्वभर में गूंजीं शांति की प्रार्थनाएं

**सिकंदराबाद,।** अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध शांति प्रचारक डॉ. के. ए. पॉल के नेतृत्व में आज शाम सिकंदराबाद स्थित जिमखाना ग्राउंड्स में ह्यग्लोबल पीस मीटिंगह्न का आयोजन शांतिपूर्वक सम्पन्न हुआ। यह आयोजन तेलंगाना हाईकोर्ट की माननीय न्यायमूर्ति श्री नंदिकोंडा नरसिंहा राव जी द्वारा शर्तों के साथ दी गई अनुमति के तहत आयोजित किया गया। न्यायालय के निदेर्शानुसार, सभा को सीमित स्तर पर आयोजित किया गया और इसमें केवल मौन प्रार्थनाओं की अनुमति थी। आयोजकों ने सभी नियमों का पालन किया–उपस्थित लोगों की संख्या 1000 से कम रखी गई और किसी प्रकार का प्रवचन या भाषण नहीं दिया गया।मीडिया को संबोधित करते हुए डॉ. के. ए. पॉल ने न्यायालय का आभार व्यक्त किया और बताया कि यह कार्यक्रम विश्वव्यापी पहल का हिस्सा है, जिसके अंतर्गत दुनिया भर में 12 लाख से अधिक स्थानों पर–चर्च, मंदिर, मस्जिद, यहूदी उपासना स्थल और घरों में–एक साथ प्रार्थनाएं की गईं। इस शांति सभा का मुख्य उद्देश्य वैश्विक शांति और युद्धों की समाप्ति के लिए प्रार्थना करना था। डॉ. पॉल ने भारत और पाकिस्तान के बीच किसी संभावित युद्ध को रोकने की आवश्यकता पर बल दिया और यूक्रेन, मध्य-पूर्व और अफ्रीका में जारी संघर्षों की समाप्ति की अपील की। उन्होंने भारत, पाकिस्तान, अमेरिका, यूरोपीय संघ और खाड़ी देशों के




नेताओं से आपसी सहयोग और मेल-मिलाप के लिए कार्य करने का आह्वान किया। डॉ. पॉल ने कहा कि प्रेम, सत्य और एकता ही हिंसा और घृणा का वास्तविक उत्तर हैं। उन्होंने कहा, ह्यअच्छाई बुराई से अधिक शक्तिशाली है और प्रेम, नफरत से अधिक प्रभावशाली है।ह्न विभिन्न धर्मों की शिक्षाओं का हवाला देते हुए उन्होंने बताया कि शांति एक साझा मानव मूल्य है।इस प्रार्थना सभा में जिन प्रमुख उद्देश्यों के लिए प्रार्थनाएं की गईं, उनमें शामिल हैंः वैश्विक शांति और 56 वर्तमान युद्धों की समाप्ति, यूक्रेन, इजराइल-फिलिस्तीन और मध्य-पूर्व व अफ्रीका में शत्रुता का अंत, भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ, अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप सहित वैश्विक नेताओं के लिए मार्गदर्शन व सद्बुद्धि की प्रार्थना, भारतीय लोकतंत्र, न्यायपालिका और मीडिया के लिए प्रार्थना, सभी धर्मों के अनुयायियों और आध्यात्मिक नेताओं की सुरक्षा और एकता।यह कार्यक्रम ऐसे समय में हुआ जब एक दिन पहले भारत के माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने ऑनलाइन सट्टेबाजी ऐप घोटालों से संबंधित एक मामले में नोटिस जारी किया है। डॉ. पॉल ने न्यायमूर्ति सूर्यकांत जी और न्यायमूर्ति एन. कोटेश्वर सिंह जी का विशेष रूप से आभार जताया और युवाओं को डिजिटल खतरों से बचाने के लिए सतर्कता बनाए रखने का आह्वान किया।23 मई को कोर्ट से मिली अनुमति के बाद बहुत कम समय में तैयारियां पूरी कर ली गईं, और सभा कानून के पूर्ण पालन के साथ निर्विघ्न रूप से सम्पन्न हुई।

ह्यग्लोबल पीस मीटिंगह्न शांति और सर्वधर्म समभाव की एक दीर्घकालिक परंपरा का हिस्सा है। डॉ. पॉल अब तक 155 देशों में 2,200 से अधिक शांति रैलियों का आयोजन कर चुके हैं।

## संत कैलाशानंद गिरि का देवघर में होगा 28 मई को आगमन, करेंगे पूजा-अर्चना

**देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा**

अखिल भारतीय मध्य देसीय वैश्य सभा के राष्ट्रीय युवा अध्यक्ष सह नरेन्द्र मोदी विकास मिशन के राष्ट्रीय प्रवक्ता ध्रुव प्रसाद साह के हरिद्वार प्रवास के दौरान अपने गुरुदेव अनंत श्री विभूषित, श्रोत्रिय ब्रह्मनिष्ठ, श्रीमत्परमहंस परिव्राजकाचार्य, श्री श्री १००८, निरंजन पीठाधीश्वर, आचार्य महामंडलेश्वर, परमपूज्यपाद स्वामी कैलाशानंद गिरी महाराज का आचार्य महामंडलेश्वर से दक्षिण काली माहामाई मंदिर हरिद्वार में उनके आवास पर मुलाकात कर आशीर्वाद लिया और और गुरूजी के झारखंड , और बिहार राज्य का दौरा 28/05/2025 को बाबा



बैद्यनाथ की धरती देवघर हवाई अड्डा पर निजी चार्टड पलेन से आगमन पर तैयारी को लेकर चार दिनों के लिए देवघर और बिहार राज्य के जमुई लिए में दर्शन, साधना और प्रवास की तैयारी को लेकर रूप रेखा तैयार किया गया , ध्रुव प्रसाद साह ने कहा की विभिन्न पदों पर अभिषिक्त होने के उपरांत प्रथम बार बाबाधाम, देवघर की पावन धरा पर आगमन हम सबके लिए अत्यंत गौरव और सौभाग्य का विषय है। समस्त देवघर वासी इस पुण्य अवसर पर हर्षोल्लास पूर्वक उनका हार्दिक वंदन, अभिनंदन एवं नंदन करने के पुरी तैयारी जोरों पर चल रही है, आपका यह आगमन बाबा बैद्यनाथ जी धरती के लिए निश्चित ही देवभूमि की आध्यात्मिक चेतना को और भी प्रखर करेगा तथा जनमानस को धर्म, सेवा और साधना के पथ पर अग्रसर होने की प्रेरणा देगा। इस तैयारी के झारखंड और बिहार राज्य में उनके भक्तगण बहुत ही जोर शोर से लगें हुए हैं

## जिला पदाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा संयुक्त रूप से ई०वी०एम०/वी०वी०पैट वेयर हाउस का मासिक निरीक्षण किया गया।

**रिपोर्ट – प्रमोद कुमार सिंह**

औरंगाबाद :- जिला पदाधिकारी श्री श्रीकांत शास्त्री एवं पुलिस अधीक्षक श्री अम्बरीष राहुल द्वारा संयुक्त रूप से प्रखण्ड परिसर अन्तर्गत अवस्थित ई०वी०एम०/वी०वी०पैट वेयर हाउस का मासिक निरीक्षण किया गया। विदित हो कि भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली के निदेशानुसार प्रत्येक माह में ई०वी०एम०/वी०वी०पैट वेयर हाउस का मासिक निरीक्षण किया जाना है। निरीक्षण के क्रम में भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी मानकों का अक्षरशः अनुपालन करने का निदेश दिया गया। ई.वी.एम. एवं वी०वी०पैट के




मासिक निरीक्षण के अवसर पर मो० गजाली, उप निर्वाचन पदाधिकारी एवं श्री रितेश कुमार सिंह, प्रखण्ड महासचिव-सह-सदस्य जिला कार्यकरणी, जनता दल यूनाईटेड/ श्री पंकज कुमार राष्ट्रीय जनता दल/श्री रंजीत कुमार, कार्यालय प्रभारी, भारतीय जनता पार्टी / श्री सुनेश कुमार जिला अध्यक्ष बहुजन समाज पार्टी / श्री कपील कुमार सिंह, जिला अध्यक्ष, सी०पी०आई०एम० / श्री पार्टी उपस्थित थे।

## जनसमस्याओं के समाधान और बकरीद-श्रावणी मेला की तैयारी को लेकर एसडीओ ने की बैठक

**दिव्य दिनकर संवाददाता तारापुर।**

जनसमस्या के समाधान, बकरीद का त्योहार संपन्न कराने,श्रावणी मेला की अग्रिम तैयारी को लेकर अनुमंडल पदाधिकारी राकेश रंजन कुमार ने सामाजिक राजनीतिक कार्यकताओं तथा लाइन विभाग के अधिकारी अभियंता के साथ समीक्षा बैठक किया। पानी की समस्या फोकस में रहा। पीएचईडी के अभियंता को स्पष्ट कहा कि बिना बहाना किये नलजल कनेक्शन में लगे मोटर को जब्त करें। दिक्कत है तो पुलिस का सहयोग लें। मोटर लगानेवालों के विरुद्ध केस दर्ज करें। जहां मरम्मती करना है वेंडर से समन्वय स्थापित कर करें। जहां बिल्कुल नही पानी पहुंचता वहां टैंकर से पानी पहुंचाए। सभी घरों तक पानी मिलना हर हाल में सुनिश्चित करें। वोटर कार्ड में नाम



जोड़ने, नाम विलोपन करने,नाम संशोधन करने की गति को तेज करने, आयुष्मान

कार्ड बनाने के शत प्रतिशत लक्ष्य को पूरा करें। आवास योजना में नाम जोड़ने एवं छूटे लोगो को चिन्हित करने का निर्देश दिया। रफीउज्जमा ने आवास आवंटन में पैसा वसूली का मुद्दा उठाया। जदयू के प्रखंड अध्यक्ष जयकृष्ण सिंह ने सीधा आक्रोश व्यक्त किया कि अभियंता अधिकारी क्षेत्र नही जाते, जनता का कार्य नही हो रहा, सभी कुछ देने के बाद भी इन्ही लोगो के कारण सरकार की बदनामी होती है। बकरीद के मद्दे नजर नगर पंचायत को साफ सफाई,ब्लीचिंग पावडर छिड़काव कराने तथा पानी उपलब्ध का आदेश दिया। प्रशासन सजग रहेगा। श्रावणी मेला के तैयारियों के बाबत भी सुझाव दिए गए। सभी विभागीय कर्मियों को वर्तमान स्थिति का मूल्यांकन करते हुए शेष कार्यो को करने हेतु डीपीआर तैयार कर लें। पिछले वर्ष क्या क्या समस्या आयी थी पर फीड बैक लिया गया एवं उन कमियों को इस बार दूर करने की बात कही। पानी, बिजली, स्वास्थ,आवासन,शौचालय, अतिक्रमण के विन्दुओ को फोकस रखा गया।

डीसीएलआर दिलीप कुमार ,मुख्य पार्षद नीलम देवी, सीओ संतोष कुमार, अनुमंडलीय अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ बिंदु कुमारी, अग्निशमन पदाधिकारी, दरोगा अनिल कुमार सिंह, मिथिलेश कुमार सिंह, हरेकृष्ण वर्मा,अफजल होदा, चंद्रशेखर चौधरी, जयकृष्ण सिंह, जोगी मंडल सहित अन्य अधिकारी अभियंता और सामाजिक राजनीतिक कार्यकर्ता मौजूद थे।

## विधानसभा चुनाव 2025 की तैयारी को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित

**दिव्य दिनकर संवाददाता तारापुर।**

आगामी विधानसभा चुनाव 2025 को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। शनिवार को तारापुर के अनुमंडल पदाधिकारी सह निर्वाचन पदाधिकारी राकेश रंजन कुमार की अध्यक्षता में एक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में सभी सहायक निर्वाचन पदाधिकारी, सुपरवाइजर एवं बीएलओ उपस्थित रहे।बैठक में एसडीओ ने स्पष्ट निर्देश दिया कि मतदाता सूची का अद्यतन कार्य गंभीरता से किया जाए। उन्होंने कहा कि सभी योग्य मतदाताओं का नाम सूची में दर्ज हो, वहीं जिनकी मृत्यु हो चुकी है उनके नामों का विलोपन भी सुनिश्चित किया जाए। विशेष रूप से ब्याह कर आई महिलाओं का नाम उनके ससुराल में जोड़ा जाना अनिवार्य बताया गया, ताकि कोई भी पात्र मतदाता अपने मताधिकार से वंचित न रह जाए। एसडीओ ने बीएलओ को निर्देशित किया कि वे सभी मतदान केंद्रों पर जाकर यह सुनिश्चित करें कि वहां बिजली, पानी, शौचालय और भवन जैसी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध हों। यदि किसी प्रकार की कमी पाई जाती है, तो उसकी जानकारी एक सप्ताह के भीतर संबंधित विभाग को प्रतिवेदन के माध्यम से दी जाए। सभी खामियों को समय रहते शत-प्रतिशत दुरुस्त करने का आश्वासन भी दिया गया। बैठक में सुपरवाइजरों के साथ पहली बार मतदान प्रक्रिया पर विस्तृत चर्चा की गई। बताया गया कि उनकी भूमिका चुनाव प्रक्रिया की शुरूआत से लेकर मतगणना की समाप्ति तक महत्वपूर्ण रहेगी।

इस अवसर पर विभिन्न प्रखंडों के आपूर्ति पदाधिकारी, उद्यान पदाधिकारी, सांख्यिकी पदाधिकारी, बीपीआरओ, श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी, कृषि पदाधिकारी, कार्यपालक पदाधिकारी नगर पंचायत, प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी, सीडीपीओ, जीविका के प्रखंड परियोजना प्रबंधक, मनरेगा के कार्यक्रम पदाधिकारी, कृषि समन्वयक एवं बीपीएम जीविका भी उपस्थित थे।

### जिलाधिकारी की अध्यक्षता में उतर कोयल जलाशय परियोजना के निर्माण कार्यों की प्रगति की संबंधित समीक्षात्मक बैठक आयोजित किया गया

**रिपोर्ट – प्रमोद कुमार सिंह**

औरंगाबाद :- जिला पदाधिकारी श्री श्रीकान्त की अध्यक्षता में उतर कोयल जलाशय परियोजना के निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा हेतु एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में परियोजना से जुड़े सभी कार्यपालक अभियंता, सहायक अभियंता, भू-अर्जन पदाधिकारी एवं संबंधित अंचल अधिकारी उपस्थित थे।इस बैठक के दौरान जिलाधिकारी महोदय ने परियोजना के अंतर्गत संचालित विभिन्न कार्यों की अद्यतन स्थिति की विस्तार से समीक्षा की तथा संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक निर्देश प्रदान किए। उन्होंने निर्देशित किया कि परियोजना से संबंधित सभी कार्यपालक अभियंता दो दिनों के भीतर पुनर्वास एवं पुनर्स्थापन (आर०एन०आर०) से संबंधित प्रतिवेदन समर्पित करें ताकि अगली कार्यवाही यथाशीघ्र प्रारंभ की जा सके। साथ ही, अंचल अधिकारी देव को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया कि गैरमजरूआ भूमि का हस्तांतरण एवं रैयती भूमि का शत्तलीज हेतु निःशुल्क निबंधन के लिए आवश्यक विस्तृत प्रतिवेदन अविलंब उपलब्ध कराया जाए। इसके अतिरिक्त, जिलाधिकारी महोदय ने अंचल अधिकारी नवीनगर को निर्देशित किया कि वे परियोजना से संबंधित शेष सरकारी भूमि के हस्तांतरण का प्रस्ताव 26 मई 2025 तक समर्पित करें। अंचल अधिकारी कुटुम्बा को भी निर्देश दिया गया कि वे गैरमजरूआ मालिक भूमि से संबंधित अभिलेखों में भूमि सुधार उप समाहर्त्ता, औरंगाबाद द्वारा दशार्यी गई त्रुटियों का त्वरित निराकरण कर संशोधित अभिलेख 24 घंटे के भीतर उपलब्ध कराएं। इस बैठक के अंत में जिलाधिकारी महोदय ने यह स्पष्ट किया कि परियोजना की प्राथमिकता को दृष्टिगत रखते हुए इससे संबंधित अधिसूचना का प्रकाशन अविलंब सुनिश्चित किया जाए, ताकि कार्यों में किसी प्रकार की अनावश्यक बाधा उत्पन्न न हो और परियोजना के लक्ष्यों की समयबद्ध पूर्ति सुनिश्चित की जा सके।

### ढिबरा चुनने के दौरान चाल धंसने से महिला की मौत

**कोडरमा विजय यादव**

कोडरमा जिला मुख्यालय स्थित सिविल कोर्ट के पीछे जंगल में ढिबरा चुनने के दौरान चाल धंसने से एक महिला की मौत हो गई। घटना शनिवार को हुई जब शिव मुहल्ला निवासी 45 वर्षीय कंचन देवी (पति पप्पू पासवान) अन्य महिलाओं के साथ ढिबरा चुन रही थीं। चाल धंसने पर वह मलबे

# गोल्डन डोम से और असुरक्षित होगी दुनिया !

## >> विचार

**"ट्रंप का कहना है कि गोल्डन डोम को इन चारों ही बिंदुओं पर आईसीबीएम को निशाना बना सकने के लिहाज से तैयार किया जाएगा। इससे भी अनोखी बात उन्होंने यह कही कि इसे 2029 तक, यानी मोटे तौर पर उनके इसी कार्यकाल के अंत तक बनाकर तैनात भी कर दिया जाएगा। हवा-हवाई बातें करना उनके स्वभाव में है लिहाजा लोग अब चौंकते भी नहीं हैं, लेकिन इसपर कुल खर्ची उन्होंने 175 अरब डॉलर का बताया है, यह ज़रूर चौंकने वाली बात है। इतनी बड़ी सुरक्षा व्यवस्था के लिए यह रकम बहुत ज्यादा नहीं है, लेकिन 2029 तक गोल्डन डोम को तैनात करने के वादे पर चलने के लिए अगले तीन साल 50-50 अरब डॉलर की व्यवस्था तो करनी ही होगी।**

**चंद्र भूषण**

अपने देश को किसी भी तरह के बाहरी हमले से सुरक्षित रखने का उपाय शुरू करने की बात अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपना यह कार्यकाल शुरू करने के साथ ही कह चुके थे। अभी उन्होंने न केवल इस गोल्डन डोम परियोजना के लिए 25 अरब डॉलर खर्च करने का प्रावधान कर दिया है, बल्कि अमेरिकी फौज की स्पेस कमान संभालने वाले जनरल को इसका प्रभारी भी नियुक्त कर दिया है। इसराइल की आयरन डोम सुरक्षा प्रणाली का कमाल और कुछ हद तक उसकी नाकामी भी अभी डेढ़ साल पहले दुनिया ने देखी है। नाम की समानता के आधार पर अंदाजा लगाया जा सकता है कि गोल्डन डोम भी शायद वैसा ही कुछ हो, लेकिन इससे कुछ हासिल नहीं होगा। इस सुरक्षा प्रणाली में शामिल तकनीकी उपायों को लेकर अमेरिका में पूरी गोपनीयता बरती जा रही है। सिर्फ़ इतना जाहिर हो पाया है कि ट्रंप के सामने इसका कोई मॉडल पेश किया गया है, जिसपर आश्वस्त होने के बाद ही उन्होंने इसके लिए शुरुआती बजट जारी किया है। रही बात आयरन डोम (लौह गुंबद) की तो यह राडारों और मिसाइलों की एक सघन व्यवस्था है, जिसे छोटी मिसाइलों और ड्रोन हमलों से बचाव के लिए खड़ा किया गया है। 7 अक्टूबर 2023 को इसराइल पर हमास का हमला शुरू हुआ तो बहुत कम समय में इतनी सारी मिसाइलें और ड्रोन आसमान में आ गए कि अपनी भयंकर ताकत के बावजूद आयरन डोम पर ओवरलोड हो गया और अपने देश का बचाव वह उम्मीद के मुताबिक नहीं कर सका। हालांकि बाद में चौतरफा हमलों के सामने वह बहुत कारगर साबित हुआ। लेकिन आकार की दृष्टि से इसराइल और अमेरिका की कोई तुलना ही नहीं है। अमेरिका न केवल क्षेत्रफल में इसराइल का 400 गुना है, बल्कि जिन क्षेत्रों का बचाव उसको करना पड़ेगा, वे महज उसकी मुख्यभूमि तक सीमित नहीं हैं। उसका उत्तरी प्रांत अलास्का अमेरिकी मुख्यभूमि से काफी दूर, कनाडा के उत्तर में है, जबकि एक और प्रांत हवाई तो इतना दूर है कि वहां पहुंचने के लिए अमेरिकियों को आधा प्रशांत महासागर पार करना पड़ता है। दूसरा मामला उन ख़तरों का है, जिनसे दोनों को अपना बचाव करना है। जाहिर है, इनकी भी आपस में कोई तुलना नहीं है। अमेरिका के सामने एक ख़तरा 9/11 जैसी घटनाओं का है, जिनसे सुरक्षा का कोई थोक उपाय संभव ही नहीं है। इससे आगे की चुनौती न्यूक्लियर आईसीबीएम की है और वही गोल्डन डोम के लिए अकेला इम्तहान है। डोनाल्ड ट्रंप ने इस फ्यूचरिस्टिक सुरक्षा उपाय के लिए पहला बजट और इसके प्रभारी का नाम घोषित करते हुए 1980 में अमेरिकी राष्ट्रपति का पद संभालने वाले रॉनल्ड रीगन को याद किया, जिन्होंने सबसे पहले इस

तरह की एक संभावित योजना 'स्टार वॉर' जैसे फिल्मी नाम के साथ घोषित की थी। इसके लिए जरूरी तकनीक तब दुनिया में किसी देश के पास नहीं थी लेकिन एक रणनीति के रूप में यह घोषणा उनके लिए कारगर साबित हुई। सोवियत संघ और अमेरिका के बीच जारी कोल्ड वॉर उस समय अपने चरम पर पहुंचा हुआ था और अमेरिका के मुक़ाबले में अपनी भी तैयारियाँ शुरू कर देना सोवियत नेतृत्व के लिए लाजमी हो गया। उस समय वह नागरिक जरूरतों पर ध्यान देता तो शायद गाड़ी पटरी पर बनी रहती लेकिन एक तरफ़ अफ़ग़ानिस्तान में उसकी फौजों के उलझाव और दूसरी तरफ़ इस नई चुनौती ने सोवियत अर्थव्यवस्था पर इतना दबाव डाला कि फिर वह फिसलती ही चली गई। ध्यान रहे, अमेरिकी सुरक्षा के सामने तब भी चुनौती आईसीबीएम्स (अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइलों) की ही थी और थोड़े-बहुत तकनीकी उन्नयन के बावजूद आज भी यह उन्हीं की है। फर्क सिर्फ इतना आया है कि सोवियत यूनियन के बिखराव के बाद इन हथियारों का संकेंद्रण रूस में हो गया है और इसमें चीन और उत्तर कोरिया के रूप में दो और सैन्य भंडारों का इजाफा हो गया है। रूस ने कुछ समय पहले यूक्रेन पर एक एक्सपेरिमेंटल मिसाइल दागी थी, जिसकी रफ्तार ध्वनि की दस गुनी यानी उल्कापात के समतुल्य बताई गई थी। यह भी कहा गया था कि इस हाइपरसोनिक मिसाइल को दुनिया की किसी भी तकनीक से नाकाम नहीं किया जा सकता। बड़ी दूरी के लिए ऐसी किसी मिसाइल का सफल परीक्षण रूस ने अबतक नहीं किया है। यानी 'नई पीढ़ी की आईसीबीएम' जैसे किसी बड़े तकनीकी बदलाव से बेचैन होकर अमेरिका गोल्डन डोम की तरफ़ नहीं बढ़ रहा। यह उसकी अग्रिम पहल है। लड़ाई के दौरान एक मिसाइल को चार बिंदुओं पर नाकाम किया जा सकता है। सबसे पहले तो उसके गोदाम को ही निशाना बनाया जाए, जो किसी कमजोर दुश्मन के साथ ही किया जा सकता है। दूसरा बिंदु उसके रफ्तार पकड़ने से पहले, यानी यात्रा के शुरुआती चरण में ही उसे मार गिराने का है। यह तभी संभव है जब इसके बारे में पक्की सूचना उपलब्ध हो और मिसाइल छोड़े जाने की जगह तक बमवर्षक पहुंच सकें। चलायमान प्लेटफॉर्म्स ने इस काम को बहुत मुश्किल बना दिया है। तीसरा बिंदु मिसाइल के सवीच्च बिंदु पर उसे मारने का है, जहां नीचे आने से पहले उसकी रफ्तार कम होती है। इसके लिए लेजर हथियारों के प्रयोग के बारे में बहुत पहले से सोचा जा रहा है लेकिन इसे अबतक आजमाया नहीं जा सका है। चौथा और लगभग असंभव काम टारगेट पर गिरते वक्त उसको मार गिराने का है। इस समय आईसीबीएम की गति उल्का जैसी होती है और उसके निशाने पर क्या है, यह भी पता नहीं होता। ट्रंप का कहना है कि गोल्डन डोम को इन चारों ही बिंदुओं पर आईसीबीएम को निशाना बना सकने के लिहाज से तैयार किया जाएगा। इससे भी अनोखी बात उन्होंने यह कही कि इसे 2029 तक, यानी मोटे तौर पर उनके इसी कार्यकाल के अंत तक बनाकर तैनात भी कर दिया जाएगा। हवा-हवाई बातें करना उनके स्वभाव में है लिहाजा लोग अब चौंकते भी नहीं हैं, लेकिन इसपर कुल खर्ची उन्होंने 175 अरब डॉलर का बताया है, यह ज़रूर चौंकने वाली बात है। इतनी बड़ी सुरक्षा व्यवस्था के लिए यह रकम बहुत ज्यादा नहीं है, लेकिन 2029 तक गोल्डन डोम को तैनात करने के वादे पर चलने के लिए अगले तीन साल 50-50 अरब डॉलर की व्यवस्था तो करनी ही होगी। अमेरिकी अर्थव्यवस्था अभी जितने दबाव में चल रही है, उसे देखते हुए इतना अतिरिक्त खर्ची जुटाने में सारे करम हो जाएंगे। किन तकनीकों के इस्तेमाल से गोल्डन डोम का निर्माण किया जाएगा, उनकी कोई भनक जब तक नहीं मिलती, तबतक उनके बारे में बात करना बेकार है। लेकिन फिलहाल इसके दो पहलुओं पर बात करना जरूरी है। एक पहलू अंतरराष्ट्रीय संबंधों का और दूसरा बाकी दुनिया की सुरक्षा का। ट्रंप ने गोल्डन डोम की सुरक्षा व्यवस्था में कनाडा को भी शामिल करने की इच्छा जताई और कनाडा के नवनिर्वाचित प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने व्यापारिक मामलों में अमेरिका के हाथों हो रही अपनी दुर्गति के बावजूद तुरंत इसमें अपनी दिलचस्पी जता दी। लेकिन अभी नाटो की सुरक्षा व्यवस्था के तहत अमेरिका ने यूरोप में इतने सारे राडार और मिसाइलें तैनात कर रखी हैं, जो गोल्डन ग्लोब के इंतजाम के साथ ही गैरजरूरी हो जाएंगी। यूरोप के वाचाल नेताओं का ऐसे में चुप्पी साधे रखना लाजमी है। अगला मामला दुनिया की सुरक्षा का है। कोई कह सकता है कि अमेरिका खुद को पूरी तरह सुरक्षित महसूस करे, इससे दुनिया के किसी जिम्मेदार देश को परेशानी क्यों होनी चाहिए। लेकिन सुरक्षा तकनीकी की समझ बताती है कि आईसीबीएम से सुरक्षा की कोई भी फूलप्रूफ व्यवस्था अंतरिक्ष में कमांड सेंटर बनाए बिना और सैटेलाइटों पर मिसाइलें तैनात किए बिना बनाई ही नहीं जा सकती। सपाट शब्दों का इस्तेमाल करें तो यह अंतरिक्ष के सैन्यीकरण की दिशा में पहला क़दम होने जा रहा है। एक अंतरराष्ट्रीय सहमति के तहत इसपर अभी तक रोक लगी हुई थी लेकिन वह रोक बिना किसी पूर्वघोषणा के धीरे-धीरे खत्म होने की तरफ बढ़ रही है। द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद से सैन्य मामलों में कोई भी बढ़त दो साल और अधिकतम पांच साल ही टिक पा रही है, फिर चाहे वह एटम बम हो या हाइड्रोजन बम या आईसीबीएम। ट्रंप की गोल्डन डोम वाली घोषणा के साथ ही रूस और चीन भी अलग-अलग या साथ मिलकर इसी दिशा में कदम बढ़ाएंगे और सर्वनाशी युद्ध का खतरा जमीन से सीधे आसमान में चला जाएगा।

## संपादकीय

# छत्तीसगढ़ में माओवाद विरोधी अभियान

प्रतिबंधित भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) को एक बड़ा झटका लगा है। बुधवार को छत्तीसगढ़ में सुरक्षा बलों के अभियान में उसके महासचिव मारे गये। साल 2010 में एक सुरक्षा अभियान में भाकपा (माओवादी) के तत्कालीन प्रवक्ता चेरुकुरी राजकुमार की मौत के बाद, नंबाला केशव राव उर्फ बसवराजू का खात्मा माओवादियों के लिए शायद सबसे बड़ा झटका है। साल 2018 में महासचिव बनने से पहले पार्टी के केंद्रीय सैन्य आयोग के मुखिया रहे बसवराजू अर्धसैनिक व पुलिस बलों के खिलाफ कई हमलों के सूत्रधार (मास्टरमाइंड) थे। भाकपा (माओवादी) के भीतर उनके उत्थान ने यह दिखाया कि विद्रोहियों का जोर अपनी सैन्यवादी रणनीति पर है और वे अपने लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए राजनीतिक संघर्ष व आंदोलनों के विकल्प के बजाय "दीर्घकालिक जन युद्ध" जारी रखना चाहते हैं। बसवराजू की मौत झ पिछले कुछ सालों में कई माओवादी कर्मी मारे गये हैं झ इस रणनीति की नाकामी दिखाती है। गृह मंत्री अमित शाह ऑन रिकॉर्ड कहते रहे हैं कि सरकार साल 2026 तक माओवादी खतरे पर विजय पाना चाहती है और बसवराजू का मारा जाना एक बड़ी जीत मानी जायेगी। यह तथ्य कि माओवादियों ने, अपना सशस्त्र संघर्ष जारी रखते हुए भी, कथित तौर पर शांति वार्ता की कोशिश की थी, यह सवाल खड़ा करता है कि क्या माओवादी नेताओं व कार्यकर्ताओं का खात्मा करने के बजाय उन्हें गिरफ्तार किया जा सकता था। यहां हाल के दिनों में माओवादी कैडरों के आत्मसमर्पण का जिक्रभी प्रासंगिक है। लेकिन यह भी भलीभांति ज्ञात है कि वरिष्ठ माओवादी कैडर ने, जिनकी जड़ें अविभाजित आंध्र प्रदेश में पीपुल्स वार नक्सली आंदोलन में हैं, अपना सशस्त्र संघर्ष छोड़ने में बहुत कम दिलचस्पी दिखायी है और ऐसी "मुठभेड़ें" शायद अपरिहार्य हैं ।हाल के वर्षों में, और माओवादियों की खुद की स्वीकारोक्ति के मुताबिक, विद्रोहियों द्वारा भर्ती में बड़ी गिरावट आयी है और दक्षिण छत्तीसगढ़ में आदिवासी आबादी से मिलने वाला समर्थन घट रहा है। आदिवासी युवा, जिनमें से कइयों ने दशकों लंबे विद्रोह में बेहिसाब तकलीफें सही हैं, अब माओवादियों के क्रांतिकारी एजेंडे से जुड़े रहने में दिलचस्पी नहीं रखते। संगठन की भारतीय राज्य के बारे में खराब समझ और चुनावी प्रक्रिया को "महज दिखावे" के रूप में पूरी तरह खारिज करने को उन वन-बहुल क्षेत्रों में अब बहुत कम समर्थन मिल रहा है, जहां पहले भारतीय सरकार की पहुंच नहीं थी। सरकार द्वारा आदिवासी कल्याण के उपायों में बढ़ोतरी और उन तक बेहतर ढंग से पहुंचने तथा गुरिल्ला युद्ध को परास्त करने पर जोर बढ़ाने से, माओवादियों ने अपने सीमित सैन्य व समर्थन आधारों में क्षरण का सामना किया है। वरिष्ठ नेताओं की मौत के साथ, माओवादी आंदोलन बचे रहने के लिए यकीनन छटपटा रहा है, लेकिन गहन सुरक्षा अभियानों के परिणामस्वरूप बहुत-से आदिवासी युवा भी मारे जा रहे हैं। सरकार को इस स्थिति का इस्तेमाल फिर से शांति वार्ता के आह्वान के लिए करना चाहिए। उसे माओवादियों पर सशस्त्र संघर्ष छोड़ने का दबाव बनाना चाहिए, बजाय कि "सफाया" नीति जारी रखने के, क्योंकि इससे आदिवासी लोगों में नये सिरे से सिर्फ नाराजगी ही पैदा हो सकती है।

# खून पर भारी सिंदूर-व्यापार !

**संजय पराते**

## व्यंग्य

याद कीजिए हमारे प्रधानमंत्री मोदी का वह भाषण : मेरे खून में व्यापार है। कल राजस्थान में पाकिस्तान की सीमा से सटे बाड़मेर की जन सभा में उन्होंने कहा : मेरी रगों में सिंदूर बह रहा है। सभी सुधिजन इस बात को समझ रहे हैं कि वे भारत सरकार के निर्देश पर हमारी सेना द्वारा पाकिस्तान के खिलाफ छेड़े गए सीमित युद्ध को दिए गए नामकरण 'ऑपरेशन सिंदूर (जैसा कि उनका दावा है, इस युद्ध को ऐसा नाम उन्होंने ही दिया था) का भाजपाई राजनीति के लिए लाभ उठाने की कोशिश कर रहे थे। सेना के शौर्य का किसी पार्टी विशेष द्वारा राजनैतिक लाभ उठाने की कोशिश करना टुच्चापन है और भाजपा और प्रधानमंत्री मोदी इस टुच्चेपन के माहिर खिलाड़ी है। आखिरकार, किसी भी देश के नागरिकों की राष्ट्रवादी भावनाओं पर किसी पार्टी विशेष का कोई अधिकार नहीं हो सकता। राष्ट्रवाद को किसी पार्टी से जोड़ने का मतलब है, उस पार्टी का समर्थन न करने वाली जनता को गैर-राष्ट्रवादी या देशद्रोही ठहराना। यह बहुत खतरनाक बात है। लेकिन मोदी राज के दस सालों में हम यही देखते आ रहे हैं कि जिसने भी भाजपा या उसके नेताओं के कहे का अनुसरण नहीं किया या संघी गिरोह की हिंदुत्व की सांप्रदायिक-फासीवादी नीतियों के खिलाफ असहमति की आवाज बुलंद की, उसे देशद्रोही करार देकर जेलों में ठूंसने का काम किया गया है। ताजा उदाहरण प्रो. अली खान की गिरफ्तारी है, जिन्हें बहुत कड़ी शर्तों के साथ ही, सुप्रीम कोर्ट द्वारा अंतरिम जमानत दी गई है। ये शर्तें ऐसी हैं कि जेल से बाहर आकर भी उनके संवैधानिक नागरिक अधिकार, लिखने-बोलने का अधिकार, लगभग निलंबित हो गए हैं। मोदी के दोनों भाषणों को मिलाकर देखें, तो साफ है कि हमारे देश में राष्ट्रवाद आज एक ऐसा व्यापार बन गया है, जिसके कारण अब प्रधानमंत्री की रगों में खून के बजाए सिंदूर बहने लगा है। हमारे देश के बहुसंख्यक धार्मिक समुदाय के लिए सिंदूर का विशेष महात्म्य है। सिंदूर के साथ जुड़ी जन-भावना को राष्ट्रवाद से जोड़ने का जो खेल मोदी ने शुरू किया है, वह बिहार और बंगाल के चुनाव के मद्देनजर ही है। अब इन चुनावों में प्रधानमंत्री की रगों में बह रहे 'असली' सिंदूर की कुछ बूंदें मांग में भरी जाने वाली 'नकली' सिंदूर में मिलाकर इस डिबिया को बिहार और बंगाल में घर-घर बांटा जाये और राष्ट्रवाद के नाम पर वोटों की भीख मांगी जाएगी, तो भी इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं होगी। इसके पहले भी वे ऐसा खेला खेल चुके हैं और अपनी असली मां को नकार कर अपने अजैविक (नॉन-बायोलॉजिकल) होने की घोषणा कर चुके हैं। सब जानते है कि सिंदूर इतना विषाक्त होता है कि उसकी थोड़ी-सी भी मात्रा जैविक शरीर में घुसकर हानि पहुंचाती है। यहां तो रगों में ही सिंदूर बह रहा है और शरीर जिंदा है, तो यह उनके नॉन-बायोलॉजिकल होने की ही पुष्टि करता है। जो जैविक लोग उनके नॉन बायोलॉजिकल होने के दावे की खिल्ली उड़ा रहे थे, अब उनके लिए हमारे प्रधानमंत्री की रगों में बहने वाली लाल तरल वस्तु टेस्ट के लिए उपलब्ध हो सकती है। यह अलग बात है कि अपनी डिग्रियों की तरह इसकी भी जांच करवाने से वे मना कर दें। लेकिन हमारे प्रधानमंत्री पर आप सबको भरोसा करना चाहिए कि पहलगाम की आतंकी घटना का ऑपरेशन सिंदूर के जरिए बदला लेने के बाद हमारे प्रधानमंत्री के शरीर में बहने वाला सफेद खून अब लाल सिंदूर में बदल गया है! बाड़मेर में उन्होंने कहा कि 22 अप्रैल की घटना का बदला 22 मिनट में ले लिया गया। अब हमें यह भले समझ में न आए कि जब 22 मिनट में ही खेला हो गया था, तो तीन दिनों तक हमारी सेना गोला-बारूद क्यों बर्बाद कर रही थी? हमारे सैनिकों की जान गई तो गई, सीमाओं पर रहने वाले कई लोगों की भी जान चली गई, बच्चे अनाथ हो गए और कई माताओं-बहनों के माथे का सिंदूर पुछ गया। क्या हमारे प्रधानमंत्री इसकी जिम्मेदारी लेंगे? शायद वे चीन और तुर्की को अपने हथियारों की गुणवत्ता जांचने का मौका दे रहे हो। या फिर शायद अमेरिका ने ही कहा हो कि ये 22 मिनट का खेला क्या होता है? अरे, चलने दो तीन-चार दिनों तक यह दीवाली उत्सव। मौका पाकर मैं ही इसके समापन की घोषणा कर दूंगा। जाओ, जाकर आराम करो अपने महल में, 18-18 घंटे काम करते बहुत थक चुके हो। आराम करो और मेरे आयातों को शुल्क मुक्त होने वाली चीजों की सूची बनाओ। बाकी मैं हूं न, निपट लूंगा पाकिस्तान से। दोनों मेरे दोस्त हो, दोनों से मुझे व्यापार करना है। कांग्रेस के खड़गे ने कहा है कि यह युद्ध नहीं, झड़प थी। पूरी भाजपा इस बयान पर नाराज है और उन पर टूट पड़ी है, क्योंकि इस युद्ध को झड़प मान लिया जाएगा, तो उनका पूरा 'खेला' ही खत्म हो जाएगा। इससे हमारे प्रधानमंत्री के नॉन-बायोलॉजिकल से फिर बायोलॉजिकल बन जाने का खतरा है। हमारे देश की जनता अवतारवाद पर विश्वास करती है, वह नॉन-बायोलॉजिकल नेतृत्व चाहती है। यदि मोदीजी का कायांतरण फिर से जैविक हो जाएगा, तो हमारा देश नेतृत्वविहीन हो जाएगा। यह खतरनाक है, क्योंकि नेतृत्व के बिना हम सर्वनाश की ओर तो बढ़ सकते हैं, विकास की ओर नहीं। देश को सर्वनाश से बचाने और विकास के लिए एक 'अजैविक विकास पुरुष' की जरूरत है। हमें लगता है कि सीमाओं पर जिन जवानों ने अपना खून बहाया, वह व्यर्थ गया। इसलिए कि देश को सिंदूर की जरूरत है और सिंदूर की जगह वे अपना खून बहा गए। अब खून की कोई कीमत रही नहीं, क्योंकि हमारा देश तो आए दिन खून-खराबा देख रहा है। यह खून दंगों को तो भड़का सकता है, लेकिन राष्ट्रवादी जोश को नहीं। अब देशभक्ति इस पैमाने से नापी जाएगी कि किसकी रगों में कितने प्रतिशत सिंदूर बह रहा है। जिसकी रगों में तीन-चौथाई सिंदूर बह रहा होगा, वही संघी गिरोह का सच्चा अनुयायी कहलाएगा, क्योंकि संविधान बदलने की ताकत उसके शरीर में ही मानी जाएगी। संघी गिरोह का खेला हमारी सीमाओं पर ही नहीं होना है, सीमा के अंदर और बिहार और बंगाल के चुनाव में भी होना है। 'ऑपरेशन सिंदूर' रचा ही इसलिए गया था कि इसके बाद 'खेला सिंदूर' खेलना है। युद्ध के मैदान को खेल के मैदान में बदलने का कला-कौशल कोई हमारे मोदीजी से सीखे। इस रचनात्मक काम को वे ट्रंपजी को जरूर पहले ही सीखा आए हैं। सो, उन्हें खेलते-खेलते युद्ध करते और युद्ध करते-करते खेलते पूरी दुनिया देख रही है। हमारे देश में देशभक्ति के चित्र-विचित्र पैमाने पूरी दुनिया देख रही है। पिछले दस सालों में स्पष्ट रूप से नागरिकों की दो श्रेणियां बन चुकी है - देशभक्त नागरिक और देशद्रोही नागरिक। रगों में सिंदूर का बहना देशभक्ति का नया पैमाना है। लेकिन पुराने पैमाने भी लागू है। कौन क्या पहनता है, क्या खाता है, कौन-सी भाषा बोलता है, इससे आसानी से पता चल जाता है कि कोई नागरिक देशभक्त है या नहीं। देशभक्त नागरिक का अंदाजा इससे भी चल जाता है कि वह भगवान राम को अपना आराध्य मानता है कि नहीं। लेकिन केवल अंदाजा ही लगाया जा सकता है। पक्का तब माना जाता है, जब वह जोर से "जय श्रीराम" चिल्लाए। इतने जोर से चिल्लाए कि मस्जिद अजान देने वाले और घरों में नमाज पढ़ने वाले भी दहल जाए। जो मुल्लों को जितना ज्यादा दहलाएगा, उसकी देशभक्ति उतनी ही पक्की मानी जायेगी। जिसकी आवाज में दम नहीं है, उसे मस्जिद के सामने डीजे की धुन पर नाचकर अपनी देशभक्ति साबित करने का विकल्प है। गंगा नदी को मां मानकर और कुंभ के प्रदूषित पानी में डुबकी लगाकर भी देशभक्ति साबित की जा सकती है। एक और पैमाना है, लेकिन है थोड़ा अश्लील, लेकिन है पक्का पैमाना। वह है कि देख लो किसी का प्राइवेट पार्ट कटा-छिला तो नहीं है। है, तो पक्का वह देशभक्त नहीं है। कर्नल सोफिया भले ही ऑपरेशन सिंदूर का चेहरा बन जाएं, लेकिन होगी केवल आतंकियों की बहन है। प्रज्ञा भले ही आतंकी विस्फोटों में शामिल हों, लेकिन रहेगी पक्की देशभक्त ही। पूरी दुनिया हमारी देशभक्ति पर फिदा है। बाड़मेर के भाषण में हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री ने यह भी बोला है कि जब सिंदूर बारूद में बदलता है, तो क्या परिणाम होता है, यह देश के दुश्मनों और दुनिया ने देखा है। हमारी जनता को इस बात का इंतज़ार है कि मोदीजी की रगों में बहने वाला सिंदूर बारूद में कब बदलेगा??

**(लेखक अखिल भारतीय किसान सभा से संबद्ध )**

# सोशल मीडिया के माध्यम से जासूसी बना नया खतरा

**अनुज शर्मा**

भारतीय सुरक्षा एजेंसियों ने पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आइएसआइ से जुड़े करीब 12 संदिग्ध जासूसों को गिरफ्तार किया है। इन गिरफ्तारियों से साफ है कि देश की सुरक्षा को खतरा सिर्फ सीमाओं पर ही नहीं, बल्कि घर के भेदियों से भी है। ऐसे लोग कई राज्यों में रहकर संवेदनशील जानकारियां दुश्मनों तक पहुंचा रहे हैं। चिंता की बात यह है कि अपने इन खतरनाक इरादों को पूरा करने के लिए सोशल मीडिया को ये लोग हथियार के रूप में इस्तेमाल करने लगे हैं। एक तथ्य यह भी है कि राष्ट्रविरोधी गतिविधियों में लिप्त ये लोग किसी खास वर्ग, पृष्ठभूमि या विचारधारा से जुड़े हुए नहीं है, बल्कि इनमें व्यवसायी, यूट्यूबर, विद्यार्थी और मजदूर जैसे आम आदमी शामिल हैं। एजेंसियों की जांच में यह खुलासा हुआ है कि जिन्हें गिरफ्तार किया गया है। वे धन और सुविधाओं के लालच में हमारे यहां की खुफिया जानकारियां एकत्रित कर दूसरे देशों को भेज रहे थे। पहलगाम में आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान के खिलाफ कार्रवाई के दौरान जब समूचा देश एकजुट होकर सेना के साथ खड़ा था, तब ये लोग मोबाइल ऐप और सोशल मीडिया के जरिए सेना की हलचल और संवेदनशील जानकारियां दुश्मन को मुहैया करा रहे थे। हरियाणा की यूट्यूबर ज्योति रानी मल्होत्रा हो या फिर छात्र देवेंद्र सिंह ढिल्लन, उत्तर प्रदेश का

व्यवसायी शहजाद हो या फिर मुर्तजा अली, गजाला और यामिन, ये सभी चेहरे हमारी आम जिंदगी में आसपास होते हैं। ऐसे लोगों से रोज मुलाकात होती है लेकिन इनके खतरनाक इरादों का पता नहीं चल पाता। इस तरह के अलग-अलग पृष्ठभूमि वाले लोगों का दुश्मन के जाल में फंसना खतरे की इस गंभीरता को बताता है कि अब दुश्मन को खास प्रोफाइल वालों की जरूरत नहीं है। वह सिर्फ सैन्य, तकनीकी और रणनीतिक सूचनाएं उपलब्ध कराने वाले लोगों को अपने जाल में फंसा रहा है। इन लोगों पर शिकंजा कसने के लिए सुरक्षा एजेंसियों की तारीफ की जानी चाहिए। जिस तरह से जासूसी की कड़ियां जुड़ती जा रही हैं, उससे साफ है कि अभी और खुलासा होना बाकी है। यह बात सही है कि डिजिटल युग में सोशल मीडिया और इंटरनेट ने आम लोगों की जिंदगी को आसान बनाया है लेकिन इसका दुरुपयोग भी कम नहीं हो रहा। सुरक्षा एजेंसियों के साथ आम नागरिक के रूप में हमारा भी कर्तव्य है कि वे अपने आसपास के लोगों पर नजर रखें और किसी भी तरह की संदिग्ध गतिविधियों की जानकारियां पुलिस या सुरक्षा बलों को दें। अभिव्यक्ति की आजादी और संवेदनशील जानकारियों को सार्वजनिक करने के बीच खींची गई लक्ष्मण रेखा यही है कि किसी भी रूप में देश की सुरक्षा से समझौता नहीं किया जा सकता। जो लोग ऐसा कर रहे हैं, उनको सख्त से सख्त सजा दिलाना और इनके मददगारों को उखाड़ फेंकना जरूरी है। हमें डिजिटल सुरक्षा और जनजागरूकता पर ज्यादा ध्यान देना होगा।

स्वामित्वाधिकारी, मुद्रक , प्रकाशक व संपादक सरोज चौधरी द्वारा न्यू लोक भारती प्रेस, वार्ड 10 कोकर औद्योगिक क्षेत्र कोकर रांची से मुद्रित तथा ई -37, अशोक विहार रांची से प्रकाशित, संस्थापक संपादक :स्व. राधाकृष्ण चौधरी
प्रबंध संपादक : अरूण कुमार चौधरी, फोन: 9471170557/08084674042, ई-मेल : Divyadinkarranchi @ gmail.com,RNI Regd. No. : JHAHIN/2013/54373Postal Registration No. : RN-11/2012)

## संक्षिप्त समाचार

### तीन दिवसीय समर कैंप का हुआ समापन

दिव्य दिनकर संवाददाता

रांची - वात्सल्य किड्स स्कूल जय प्रकाश नगर,रातू रोड रांची मे तीन दिवसीय( 21 मई 2025 से 23 मई,2025 तक )समर कैंप का आयोजन किया गया।तीन दिवसीय इस समर कैंप मे विशिष्ठ अतिथि के तौर पर डीएवी शिक्षा दीप स्कूल के निदेशक शिवनंदन पाठक,विश्वकर्मा युवा सुरक्षा मंच के राष्ट्रीय मुख्य संयोजक संतोष कुमार श्रेयांश,छात्र क्लब चिकित्सक मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव किशोर शर्मा,वरीय संरक्षक भारत विभूषण डॉ.राजेंद्र कुमार हाजरा की उपस्थिति रही। समर कैंप में अंश कुमार,देव कुमार,पार्थ सहल,गर्व सहल, विराज शर्मा सहित 16 अन्य विद्यार्थी ने झूला,टब बाथ स्विमिंग,नृत्यगान,पेंटिंग, साइकिलिंग,योग आदि आदि का भरपूर आनंद लिया।कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के प्राचार्य आलोक कुमार ने किया। मौके पर शिवनंदन पाठक ने कहा ऐसे कार्यक्रम से बच्चों में मानसिक एवं शारीरिक विकास होता है।डॉक्टर राजेंद्र कुमार हाजरा ने बच्चों को खान पान, रहन सहन एवं स्वास्थ्य संबंधित टिप्स दिए वहीं शिव किशोर शर्मा ने कहा ऐसे कार्यक्रम से बच्चों मे उत्साह एवं मनोबल बढ़ता है।इस कैंप को सफल बनाने मे मुख्यरूप से प्रवक्ता कुणाल कौशल सहित शिखा दुबे,नेहा शर्मा,सीमा मिश्रा,दिव्या साहू,शीतल शर्मा,रविता कुमारी,काउंसलर गिन्नी टेहरी एवं अन्य विद्यालय कर्मचारियों का शत-प्रतिशत योगदान दिया। विशिष्ठ अतिथियों द्वारा बच्चों के बीच प्रमाण पत्र वितरित कर कार्यक्रम की समापन हुई। विद्यालय की उप-प्रधानाचार्य सुनीता मिश्रा ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

### प्रेमीका के हत्या के जुर्म में प्रेमी अपने मां सहित दोषी करार हुआ

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- व्यवहार न्यायालय में जिला जज सात न्यायधीश निशित दयाल के कोर्ट में एक बहुत बड़ी घटना के अपराध में दो अभियुक्तों को दोषी ठहराया गया है, एपीपी सत्येन्द्र कुमार सिंह ने बताया कि गोह थाना कांड संख्या-178/22 में काराधिन अभियुक्त कोशल कुमार और चंद्रमणि देवी दोहलपुर गोह को भादंवि धारा 302,201 में दोषी करार दिया गया है और सजा के बिन्दु पर सुनवाई के तिथि 30/05/25 निर्धारित किया गया है, अधिवक्ता सतीश कुमार स्नेही ने बताया कि प्राथमिकी सूचक विन्देश्वरी पासवान पहाड़ीपुर गोह ने प्राथमिकी 21/06/22 को दर्ज कराई थी, अभियुक्त कोशल कुमार शादीशुदा नहीं था उसका दो बच्चे की मां एक विधवा औरत से नाजायज संबंध था जिसके कारण विधवा औरत गर्भवती होने पर कोशल कुमार पर शादी की दबाव बना रही थी जो कोशल और उस-ाकी मां चंद्रमणि देवी को पसंद नहीं था इसलिए दोनों नाबालिग बच्चों के अनुपस्थित में धारदार हथियार से विधवा स्त्री का सर को धड़ से अलग कर अलग-अलग स्थान छुपा दिया इस बात की खुलासा बच्चों ने चोकीदार के सामने किया था तब से दोनों गिरफ्तार कर जेल में भेज दिया गया हैं इन्हीं दोनों अभियुक्तों के निशानदेही पर मृतका का सर, छड़ और प्रयुक्त हथियार बरामद किया गया था ,इस घटना से मृतका के दोनों नाबालिग बच्चों के परवरिश प्रभावित हुए थे।

### पिपरा के अष्टभुजी माता मंदिर के प्रांगण में महाआरती कार्यक्रम भी आयोजित किया गया था

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- बारुण प्रखंड मुख्यालय से लगभग 12 किलोमीटर की दूरी पर सोन नहर के समीप अवस्थित मशहूर ग्राम पिपरा में अवस्थित प्रसिद्ध तीर्थ स्थल एवं शक्तिपीठ अष्टभुजी धाम के प्रांगण में बैसाख कृष्ण पक्ष चतुर्दशी के मौके पर महा आरती का आयोजन किया गया है। इस संबंध में जानकारी देते हुए अष्टभुजी महोत्सव आयोजन समिति के अध्यक्ष मुखिया प्रतिनिधि विजय कुमार सिंह, सचिव राजा दिलीप सिंह, उपाध्यक्ष अजय कुमार, कोषाध्यक्ष रामेश्वर भगत संरक्षक मंडल सदस्य अजीत मिश्रा ने बताया कि पिछले दिनों 12 मई को आयोजित अष्टभुजी महोत्सव के सफल क्रियान्वयन में सभी ग्रामवासियों ने अपेक्षित सहयोग दिया इसी क्रम में किसी श्रद्धालु भक्त ने अष्टभुजी महोत्सव के सफलता पर हर्षित होकर महा आरती कराने का निर्णय लिया।इस परिप्रेक्ष्य में 25 मई को संध्या में महा आरती का आयोजन किया गया है जिसमें सभी ग्रामवासी उपस्थित रहेंगे एवं वेद मंत्रोंच्चार के साथ महा आरती के आयोजन को मूर्त प्रदान किया जाएगा। मौके पर जदयू के वरीय नेता एवं नबीनगर विधानसभा में गजना महोत्सव,पुनपुन महोत्सव टंडवा,सोननद महोत्सव,सूर्य राघव महोत्सव,सूर्य मंदिर धुंधुआ महोत्सव सहित अन्य महोत्सवों को राजकीय दर्जा दिलाने में प्रमुख भूमिका निभाने वाले आदरणीय संजीव कुमार सिंह जी की गरिमामई उपस्थिति होगी। विदित हो कि पिपरा का अष्टभुजी मंदिर विंध्यवासिनी माता की प्रतिकृति है।

# केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान की अगुवाई में विकसित कृषि संकल्प अभियान की तैयारियां अंतिम चरण में

## शिवराज सिंह ने ओरिएंटेशन प्रोग्राम के जरिए देशभर के कृषि वैज्ञानिकों से किया संवाद

**आजादी के बाद पहली बार सीधे किसानों तक पहुंचने की सरकार की बड़ी कवायद**

**मेरी हर सांस में खेती और रोम-रोम में किसान बसे हैं झ्र शि-ावराज सिंह**

**देशव्यापी ह्यविकसित कृषि संकल्प अभियानह्ल परिणाम उन्मूलक कार्यक्रम है-शिवराज सिंह**

**कृषि अनुसंधान के लिए मोदी सरकार में फंड की कमी नहीं आएगीझ्र शिवराज सिंह**

**हमारे कृषि संस्थानों में वो ताकत है, जिसका लोहा पूरी दुनिया मानेगी झ्रशिवराज सिंह चौहान**

**29 मई से 12 जून तक देशव्यापी अभियान के जरिए लगभग 1.5 करोड़ किसानों से सीधा संवाद होगा**

**नई दिल्ली,** केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान की अगुवाई में ह्यविकसित कृषि संकल्प अभियानह्ल की तैयारियां अब अपने अंतिम चरण में है। 29 मई को श्री जगन्नाथ की पावन धरती पुरी, ओडिशा से इस व्यापक अभियान का शुभारंभ होगा। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद और कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय का पूरा अमला राज्यों के सहयोग से इसकी तैयारियों में जुटा हुआ है। आज इसी कड़ी में श्री शि-ावराज सिंह चौहान ने पूसा कैंपस स्थित सुब्रहमण्यम हॉल में देशभर के कृषि वैज्ञानिकों से संवाद किया। इस अवसर पर कृषि सचिव श्री देवेश चतुर्वेदी, आईसीएआर के महानिदेशक डॉ. एम.एल. जाट, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के सभी 113 संस्थानों, भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान के साथ ही देशभर के 731 कृषि विज्ञान केंद्रों व केंद्र-राज्यों के कृषि विश्वविद्यालयों के वैज्ञानिकों-प्राध्यापकों ने बड़ी संख्या में सभागार में उपस्थित रहकर और वर्चुअल जुड़कर इस संवाद कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। यहां केंद्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि मैं सत्ता के सुख के लिए कृषि मंत्री नहीं बना हूं, बल्कि किसानों की सेवा के लिए, उत्पादन बढ़ाने, उत्पादन की लागत घटाने, खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने, देश में अन्न के भंडार भरने और भावी पीढ़ी के कृषि संबंधित हितों की रक्षा के लिए ही मेरा जीवन समर्पित है। श्री शिवराज सिंह ने कहा कि उर्वरक का संतुलित प्रयोग, स्थानीय परिस्थिति, सही शोध जानकारी होने और अच्छे बीजों से किसान को उत्पादकता बढ़ाने में निश्चित तौर पर मदद मिल सकती है। श्री चौहान ने कृषि वैज्ञानिकों, विभाग का अमला और किसान को जोड़ने पर जोर देते हुए कहा कि इस अभियान के जरिए इसे पूरा करते हुए किसानों से जुड़ने की एक बड़ी कोशिश होने जा रही है। श्री शिवराज सिंह ने कहा कि खेती हृदय और लगाव का विषय है। खेती को जिया जाता है। मेरी हर सांस में खेती और रोम-रोम में किसान बसे हैं। फसल के अच्छे व खराब होने पर भावनाएं जुड़ जाती हैं। श्री चौहान ने कहा कि सरकार की पूरी कोशिश कृषि अनुसंधान को आगे बढ़ाने की है। शोध और अनुसंधान के लिए हमारी सरकार प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में फंड की कमी नहीं होने देगी श्री शिवराज ने यह भी कहा कि यह अभियान परिणाम उन्मूलक कार्यक्रम है, जिसका परिणाम इसी खरीफ सीजन में उत्पादन वृद्धि और उत्पादन लागत में कमी के रूप में जल्द ही हमारे सामने होगा। श्री चौहान ने देश के वैज्ञानिकों से अपनी शोध क्षमता को वैश्विक स्तर पर सिद्ध करने की भी अपील की। उन्होंने कहा कि हमारे कृषि संस्थानों में वो ताकत है, जिसका लोहा पूरी दुनिया मानेगी। श्री शि-ावराज सिंह चौहान ने वैज्ञानिकों के प्रयासों की प्रशंसा की और कहा कि इस अभियान के पूरा होने के बाद देश, वैज्ञानिकों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करेगा।यह अभियान 29 मई से 12 जून तक देशव्यापी स्तर पर आयोजित किया जा रहा है, जिसमें वैज्ञानिकों की टीमें गांव-गांव जाकर किसानों से सीधा संवाद करेगी। इस अभियान में 731

कृषि विज्ञान केंद्रों (KVK) और ICAR के 113 संस्थानों के वैज्ञानिक-विशेषज्ञ तथा राज्यों और अन्य कृषि विभाग का अमला भी शामिल रहेंगे। यह अभियान 700 से ज्यादा जिलों में आयोजित किया जाएगा। साथ ही इसमें कृषि, बागवानी, पशुपालन, मछली पालन आदि विभागों के अधिकारी, वैज्ञानिक एवं नवोन्मेषी किसान भी शामिल रहेंगे। अभियान का लक्ष्य 1.5 करोड़ किसानों से सीधा संवाद करना है।

# जिला स्तरीय खनन टास्क फोर्स की बैठक संपन्न

## अवैध खनन परिवहन व भंडारण के रोकथाम हेतु निरंतर छापेमारी, जांच अभियान चलाने का निर्देश

दिव्य दिनकर:जिला ब्यूरो,कुन्दन पासवान

चतरा। समाहरणालय स्थित सभा कक्ष में उप विकास आयुक्त अमरेंद्र कुमार सिन्हा ने खनिजों के अवैध खनन परिवहन व भंडारण के रोकथाम को लेकर जिला स्तरीय खनन टास्क फोर्स की बैठक की। बैठक में सर्वप्रथम 29 अप्रैल 2025 में हुए जिला स्तरीय खनन टास्क फोर्स की बैठक में अवैध खनन परिवहन व भंडारण के रोकथाम हेतु दिए गए निदेर्शों के अनुपालन की बिंदुवार समीक्षा की गई एवं आवश्यक कई दिशा निर्देश दिए गए। समीक्षा के दौरान महाप्रबंधक, आम्रपाली द्वारा बताया गया कि विगत बैठक में दिये गए निदेश के अनुपालन में सीसीएल आम्रपाली प्रबंधन द्वारा फॉग कैनन -2 का उद्घाधन कर परिचालन प्रा-रंभ कर दिया गया है। आम्रपाली में रोड स्वीपिंग मशीन अभी आना बाकी है, जिसका परचेज ऑर्डर सीसीएल मुख्यालय से निर्गत किया जा चुका है। यथाशीघ्र उपलब्ध करने हेतु मुख्यालय से आग्रह किया गया है। इस पर उप विकास आयुक्त, चतरा द्वारा निदेशित किया गया प्रबंधन द्वारा संचालित फॉग कैनन में जीपीएस मशीन का अधिष्ठापन करायेंगे तथा रोड स्वीपिंग मशीनों को शीघ्र ऑपरेशनल करना सुनिश्चित करेंगे। बैठक में कोयला लदे वाहनों से टंडवा सिमरिया रोड में हो रहे सड़क दुर्घटनाओं पर चिंता व्यक्त करते हुए। सीसीएल प्रबंधन को निदेशित किया गया कि कोयला परिवहन कर रहे ट्रांसपार्टर्स को सड़क सुरक्षा नियमों का सख्ती के साथ अनुपालन सुनिश्चित करने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दें। सभी अंचल अधिकारी एवं थाना प्रभारी, जिला चतरा को निर्देशित किया गया कि अपने क्षेत्रान्तर्गत खनिज लदे वाहनों की जाँच में ई-परिवहन चालान की वैधता,ई-चालान पुनर-ावृत्ति, ओवर लोडिंगआदि बिन्दुओं की सघनता से जांच करेंगे। अनिबंधित वाहनों अथवा 18 वर्ष के कम आयु के चालकों के द्वारा खनिज लदे वाहनों के परिचालन करते पाये जाने पर वाहन को जप्त कर स्थानीय थाना परिसर में सुरक्षार्थ रखते हुए जिला परिवहन पदाधिकारी, चतरा को सूचित करेंगे। आंचलवार समीक्षा में अवैध खनन,परिवहन के विरूद्ध धीमी कार्रवाई पर उप विकास आयुक्त ने नाराजगी व्यक्त करते हुए सभी सदस्यों को विशेषकर सभी अँचल अधिकारी एवं थाना प्रभारी को अपने क्षेत्रान्तर्गत अभियान में तेजी लाते हुए अवैध बालू,पत्थर,कोयला खनिज के मामले में अवैधकर्त्ता के विरूद्ध प्राथमिकी,नियमानुसार दण्ड राशि की वसूली की कार्रवाई करने का निर्देश दिया। खनन पदाधिका-री मनोज टोप्पो ने अवैध खनन, परिवहन एवं भण्डारण के विरूद्ध माह- अप्रैल तक का तुलनात्मक कार्रवाई प्रतिवेदन की जानकारी देते हुए कहा वित्तीय वर्ष 2024- 25 में अप्रैल माह में खनिज लोड पकड़े गए 18 वाहनों को जप्त करते हुए 11 प्राथमिकी दर्ज की गई थी। अवैध परिवहन में 30 वाहनों को जप्त करते हुए जुमार्ना राशि की वसूली 651830 रुपया की गई थी। वहीं 2025 - 26 अप्रैल माह में खनिज लोड 15 वाहनों को जप्त करते हुए 09 प्राथमिकी दर्ज की गई है। अवैध परिवहन में कुल जप्त 14 वाहनों से 306212 रुपया की जुमार्ना राशि वसूल की गई है। उक्त बैठक में वन प्रमंडल पदाधिकारी उत्तरी राहुल मीणा, अपर समाहर्ता अरविंद कुमार, अनुमंडल पदाधिकारी सिमरिया सन्नी राज, अनुमंडल पदाधिकारी चतरा जहूर आलम, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी टंडवा, जिला परिवहन पदाधिकारी इन्द्र कुमार, टंडवा कोल परियोजनाओं के अधिकारी, सभी संबंधित अंचल अधिकारी एवं थाना प्रभारी समेत अन्य संबंधित पदाधिकारी कर्मी उपस्थित थे।

### बाघवार एकेडमी में समर कैंप का सफल आयोजन बच्चों के सर्वांगीण विकास की दिशा में एक सराहनीय प्रयास

दिव्य दिनकर संवाददाता

चान्हो - आज शनिवार को रांची जिला के चान्हो प्रखंड स्थित बाघवार एकेडमी में नौ दिवसीय समर कैंप का सफल समापन हुआ। इस कैंप का उद्घाटन दिनांक 16 मई 2025 को विद्यालय के निदेशक अशोक बाघवार एवं प्रधानाचार्य अरुण बाघवार के करकमलों के द्वारा किया गया था। समर कैंप के दौरान प्रतिभागी बच्चों क्रिकेट, खो-खो, कबड्डी, एथलेटिक्स सहित विभिन्न खेलों की बारीकियों की जानकारी दी गई। इन गतिविधियों का संचालन विद्यालय के अनुभवी कोच अजय कुमार सिंह एवं शालिनी टोप्पो द्वारा किया गया। पूरे नौ दिनों तक चले इस कैंप में बच्चों ने उत्साह और उल्लास के साथ भागीदारी की। उन्होंने न केवल खेलों का भरपूर आनंद लिया, बल्कि उनके तकनीकी और नैतिक पक्षों को भी गहराई से समझा। इस समर कैंप का मुख्य उद्देश्य बच्चों के सर्वांगीण विकास को प्रोत्साहित करना था, जिससे वे खेल, कला, विज्ञान एवं सामाजिक मूल्यों के प्रति जागरूक बन सकें। गौरतलब है कि बाघवार एकेडमी प्रत्येक वर्ष ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान इस प्रकार के समर कैंप का आयोजन करती है, जो बच्चों के शारीरिक, मानसिक और नैतिक विकास के लिए एक उत्कृष्ट मंच प्रदान करता है।

# मेरी कॉलेज के पत्रकारिता छात्रों को 100% प्लेसमेंट, जी मीडिया में 10 छात्रों का चयन

**नई दिल्ली,** मैनेजमेंट एजुकेशन एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट (मेरी) के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग ने इस वर्ष बीए (जेएमसी) के अंतिम सेमेस्टर के उन सभी छात्रों को, जिन्होंने कैंपस प्लेसमेंट का विकल्प चुना था, सौ फीसदी प्लेसमेंट दिलाकर उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। इसमें सबसे खास बात यह रही कि जी मीडिया ने कॉलेज से एक साथ 10 छात्रों का चयन किया है, जिन्हें समाचार लेखन, वीडियो संपादन और खेल रिपोर्टिंग जैसे कार्यों की जिम्मेदारी दी जाएगी।मेरी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के एचआर प्रमुख डॉ. (प्रो.) तपस डे ने बताया कि मेरी में प्लेसमेंट प्रक्रिया अन्य संस्थानों से अलग है। यह केवल एक औपचारिक लेन-देन नहीं, बल्कि एक रणनीतिक और दीर्घकालिक साझेदारी है। यहां कंपनियों के साथ संबंध केवल एक अवसर तक सीमित नहीं रहते, बल्कि पूरे वर्ष चलने वाली भागीदारी का हिस्सा होते हैं। मीडिया संस्थान कॉलेज के साथ किए गए समझौतों (एमओयूएस) के तहत न केवल प्लेसमेंट और पेड इंटर्नशिप में सहयोग करते हैं, बल्कि प्रोजेक्ट्स, अतिथि व्याख्यान, मॉक इंटरव्यू, कौशल विकास कार्यशालाओं, पाठ्यक्रम पुनरीक्षण और विभिन्न शैक्षणिक आयोजनों में भी सक्रिय रूप से भाग लेते हैं। छात्रों को पेशेवर दुनिया के लिए तैयार करने के लिए मेरी में समूह चर्चा, एप्ट-ीट्यूड टेस्ट, संवाद कौशल, प्रेजेंटेशन तकनीक और ऑफिस शिष्टाचार पर विशेष प्रशिक्षण दिया जाता है। प्रत्येक छात्र को इंटरव्यू से पहले संबंधित जॉब प्रोफाइल की गहन जानकारी और उसके अनुसार तैयारी कराई जाती है। मेरी कॉलेज में व्यावहारिक प्रशिक्षण को शिक्षा का अभिन्न हिस्सा माना जाता है। यहां का टीवी स्टूडियो एक पूर्ण प्रोडक्शन हाउस की तरह संचालित होता है, जहां छात्र नियमित रूप से न्यूज बुलेटिन और रेडियो कार्यक्रम तैयार करते हैं, जो इंटरनेट रेडियो ह्यमेरी वाणीह्ल पर प्रसारित होते हैं। छात्र कैंपस रिपोर्टर के रूप में कॉलेज के कार्यक्रमों की रिपोर्टिंग करते हैं, और उनकी खबरें राष्ट्रीय समाचार पत्रों में प्रकाशित होती हैं। इस गहन और व्यावहारिक प्रशिक्षण के चलते मेरी के छात्र मीडिया जगत में आत्मविश्वास के साथ प्रवेश कर रहे हैं और वहां अपनी जगह बना पा रहे हैं।

### परसा में भूलन जी के नेतृत्व में निकाला गया

**भाजपा नेता राकेश सिंह के साथ भाजपा के हजारों कार्यकताओं ने तिरंगा यात्रा में भाग लिया**

**सोनपुर ,** । तिरंगा यात्रा भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष भूलन के नेतृत्व मे परसा मे निकाला गया भारतीय सैनिकों के अदम्य साहस एवं बलिदान के सम्मान में भाजपा बिहार प्रदेश के निर्देश पर भाजपा सारण के द्वारा तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया जो सांसद कार्यालय परसा से शुरू होकर दरोगा राय चौक परसा में समापन हुआ इस तिरंगा यात्रा में सभी कार्यकर्त्ता शामिल हुए इस अवसर भाजपा नेता प्रदेश कार्य समिति सदस्य राकेश सिंह मंडल अध्यक्ष अजय नाथ पूरी सभापति राय सहयोजक मोनू सिंह अमित सिंह अखंड ज्योति संतोष शर्मा रामबाबू राय लखिन्द्र मांझी नन्हे सहनी पप्पू गुप्ता विकास सूरज सिंह दीपू कुशवाहा बालेसर शर्मा सहित सैकड़ो एनडीए कार्यकर्त्ता उपस्थित रहे इस अवसर पर भाजपा नेता राकेश सिंह ने कहा की देश है तो हम है सेना है तो देश है सुरक्षित है यह तिरंगा यात्रा न सिर्फ राष्ट के प्रति समान का प्रतीक है यह वीर जवानो को समर्पित है जिन्होंने आतकवाद के खिलाफ निर्णायक करवाई कर देश को गौर-वान्वित किया।

## संक्षिप्त समाचार

### नगर परिषद औरंगाबाद के वार्ड 33 में नाली निर्माण के लिए सी एम को लिखी चिट्ठी

रिपोर्ट – प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिला परिषद के पूर्व अध्यक्ष राघवेंद्र प्रताप नारायण सिंह ने बिहार सरकार के माननीय मुख्यमंत्री से मांग किया है कि नगर परिषद क्षेत्र के वार्ड नंबर 33 में पुरानी जीटी रोड के दक्षिणी तरफ पक्का नाली का निर्माण कराया जाए। इस संबंध में मुख्यमंत्री को प्रेषित पत्र के आलोक में बताया कि इस मुहल्ले में हजारों लोग बसे हुए हैं।बरसात के दिनों में पक्का नाली के अभाव में पूरा मुहल्ला जलमग्न हो जाता है।थोड़ी सी बारिश होती है और पता चलता है कि पूरा मुहल्ला जल से भरा हुआ है।अधिक दिनों तक जल जमाव रहने से लोग संक्रामक बीमारियों से ग्रसित हो जाते हैं।सामाजिक संस्था गांधी नगर विकास समिति द्वारा गत वर्ष जिला पदाधिकारी औरंगाबाद,नगर परिषद औरंगाबाद एवं मुख्यमंत्री को इस संबंध में सामूहिक हस्ताक्षर के साथ पत्र प्रेषित किया था। लेकिन उस पर आज तक कोई संज्ञान नहीं लिया गया।अब तक समस्या का निराकरण नहीं किया गया। पूर्व जिप अध्यक्ष ने यह भी बताया कि बरसात आने के पूर्व यदि इसका निराकरण नहीं किया गया तो यहां के स्थानीय जनता न्यायालय जाने के लिए लाचार हो जाएगी। वर्तमान परिदृश्य में जनहित की छोटी-छोटी समस्याएं बाद में विकराल रूप ले लेती हैं।

### अनुग्रह स्कूल संकुल स्तरीय खेलकूद उत्सव मशाल₹ का हुआ सफल समापन

रिपोर्ट – प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिला मुख्यालय के गेट स्कूल के मैदान में संकुल स्तरीय खेल कूद उत्सव मशाल का सफलतापूर्वक समापन हो गया। पीएम श्री अनुग्रह मध्य विद्यालय के प्राचार्य उदय कुमार सिंह ने बताया कि मशाल कार्यक्रम के तीसरे एवं अंतिम दिन साइक्लिंग के अंडर 14/16 के बालक/बालिका इवेंट में बच्चों का उत्साह चरम पर था। साइक्लिंग के सभी इवेंट को पीएम श्री अनुग्रह मध्य विद्यालय के प्रधानाध्यापक उदय कुमार सिंह एवं गेट स्कूल के प्रभारी प्रधानाध्यापक अजय कुमार सिंह ने हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ किए। अंडर 14 बालिका की विजेता अनुग्रह स्कूल की खुशबू( पांच किमी) एवं चंचल कुमारी( तीन किमी) रही वही बालक वर्ग के अंडर 14 में पांच किमी साइक्लिंग में पीयूष कुमार एवं तीन किमी में कृष्ण कुमार अनुग्रह स्कूल के विजेता रहे। अंडर 16 में गेट स्कूल के आदर्श कुमार तीन किमी संवर्ग में तथा रूपेश कुमार गेट स्कूल के छात्र पांच किमी संवर्ग में विजेता रह रहे। नोडल खेल ऑफिसर के रूप में योगेंद्र कुमार पाल, मीना कुमारी एवं नैयर शाहीन साइक्लिंग को मानक के अनुरूप सम्पादित कराया। मशाल कार्यक्रम के समापन में अनुग्रह स्कूल के प्रधानाध्यापक उदय कुमार सिंह एवं गेट स्कूल के प्रभारी प्रधानाध्यापक अजय कुमार सिंह ने सभी कोटि के विजेताओं को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर खेल में और तीव्र रुचि पैदा करने की सलाह दी। हेडमास्टर उदय कुमार ने बताया कि सभी कोटि के विजेता प्रखंड स्तरीय मशाल प्रतियोगिता में भाग लेंगे।

### बालिका सशक्तिकरण अभियान 2025 का उद्घाटन समारोह बीआरबीसीएल में संपन्न

रिपोर्ट – प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिले के सुप्रसिद्ध विद्युत पावर प्लांट बीआरबीसीएल में 24 मई 2025 को बालिका सशक्तिकरण अभियान 2025 के उद्घाटन समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर एनटीपीसी लिमिटेड के क्षेत्रीय कार्यकारी निदेशक (पूर्व-1) एवं बीआरबीसीएल के निदेशक श्री सुदीप नाग मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। BRBCL के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री दीपक रंजन देहुरी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में NSTPP के परियोजना प्रमुख श्री एल. के. बेहरा सहित अन्य गणमान्य अतिथि भी सम्मिलित हुए। मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री दीपक रंजन देहुरी ने स्वागत संबोधन में बीआरबीसीएल की ओर से बालिका सशक्तिकरण अभियान में निभाई जा रही भूमिका पर प्रकाश डाला। साथ ही, आगामी एक माह तक चलने वाले प्रशिक्षण कार्यक्रम की विस्तृत रूपरेखा भी प्रस्तुत की। मुख्य अतिथि श्री सुदीप नाग ने अपने प्रेरणादायक संबोधन में बालिका सशक्तिकरण के महत्व को रेखांकित किया और उपस्थित बच्चियों को शुभकामनाएं व आशीर्वाद दिया। उन्होंने इस अभियान के अंतर्गत चुनी गई 40 बालिकाओं का गर्मजोशी से स्वागत किया। कार्यक्रम में बालिका सशक्तिकरण अभियान 2024 की बालिकाओं ने मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दीं और अपने अनुभव साझा किए। इसके अतिरिक्त, संगिनी लेडीज क्लब की सदस्यों और बाल भवन के बच्चों की प्रस्तुतियों ने सभी दर्शकों का दिल जीत लिया।

### ट्रक के धक्के से बाइक सवार युवक की मौत

#### औरंगाबाद-पटना पथ पर चित्रगोपी गांव के पास हुई दुर्घटना।

रिपोर्ट – प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- औरंगाबाद-पटना पथ पर प्रतिदिन दुर्घटना हो रही है। सड़क का चौड़ीकरण जरूरी है। वाहनों की भीड़ बढ़ने से दुर्घटना बढ़ी है। शुक्रवार की रात इसी पथ पर जम्होर थाना क्षेत्र के चित्रगोपी गांव के पास अनियंत्रित ट्रक से कुचलकर बाइक सवार युवक की मौत हो गई। युवक विद्युत विभाग में कार्य करता था। दाउदनगर शहर के वार्ड नंबर आठ निवासी मो. शमीम अहमद के 40 वर्षीय पुत्र आरिफ हुसैन की मौत से मातम छा गया। आरिफ आमजन में लोकप्रिय था जिस कारण मौत की खबर सुन रात में ही घटनास्थल पर भीड़ लग गई। बताया गया कि आरिफ वर्तमान में सोलर पैनल लगाने वाली कंपनी के साथ औरंगाबाद में काम कर रहे थे। औरंगाबाद से काम कर बाइक से अपने घर दाउदनगर लौट रहे थे कि चित्रगोपी गांव के पास पीछे से तेज रफ्तार में आ रही ट्रक ने बाइक में टक्कर मार दिया। टक्कर के बाद बाइक ट्रक में फंस गया और करीब एक किलोमीटर दूर तक घसीटते हुए चला गया। किसी तरह ट्रक में फंसी बाइक अलग हुआ। मौके पर ट्रक चालक वाहन लेकर फरार हो गया। स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना जम्होर थाना पुलिस को दिया। सूचना के बाद प्रभारी जम्होर के प्रभारी थानाध्यक्ष नितिन कुमार मिश्र पुलिसकर्मियों के साथ पहुंचे। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल औरंगाबाद भेज दिया। घटना की सूचना स्वजनों को दी गई। सूचना पर सदर अस्पताल स्वजन पहुंचे। शव देख रोने लगे। स्वजनों की रुलाई देख सदर अस्पताल में खड़े लोगों के आंखों से आंसू बहने लगी। स्वजनों ने बताया कि आरिफ के एक पुत्र व एक पुत्री है। दोनों के सिर से पिता का साया सदा के लिए उठ गया। थानाध्यक्ष ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम करा स्वजनों को सौंप दिया गया है।

# रेलमंत्री के कार्यक्रम को कांग्रेस ने बताया पिकनिक टूर

## जमालपुर रेल कारखाना के साथ रेलमंत्री ने पैकेज के नाम पर किया बड़ा छलावा : मानसी

दिव्य दिनकर बिहार उप-प्रभारी पवन कुमार चौधरी

जमालपुर। शुक्रवार को जमालपुर रेल कारखाने में विशेष दौरे पर पहुंचे केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के आगमन को कांग्रेस पार्टी की ओर से राजनीति से प्रेरित करार दिया गया है। बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी सोशल मीडिया प्रकोष्ठ की प्रदेश सचिव मानसी कुमारी ने कहा कि केंद्रीय रेल मंत्री के अलावा केंद्रीय पंचायती राज, पशुपालन एवं मत्स्य मंत्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह, बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विजय सिन्हा का कार्यक्रम जमालपुर के विकास के लिए किसी भी दृष्टिकोण से सकारात्मक रूप में नहीं देखा जा सकता है। वर्षों से उपेक्षा का दंश झेल रहे जमालपुर रेल कारखाना को निर्माण कारखाना का दर्जा दिए जाने की मांग के अनुरूप माननीय रेलमंत्री ने कोई घोषणा नहीं की। इतना ही नहीं, भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा देश में कुल चार रेल विश्वविद्यालय की स्थापना को लेकर जो ऐलान किया था, उसमें एक जमालपुर भी शामिल था। परन्तु रेलमंत्री द्वारा जमालपुर में रेलवे विश्वविद्यालय की स्थापना की मांग को पूरी तरह



से खारिज करते हुए, महज ईरिमी संस्थान में कुछ विषयों के पढ़ाई तथा प्रशिक्षण की व्यवस्था करने का शगुफा पेश किया गया है। जमालपुर कारखाना को लगभग 350 करोड़ का पैकेज का ऐलान तो कर दिया गया है, लेकिन जमालपुर रेल कारखाना में मेट्रो रेल और मेमो ट्रेन के कोच के निर्माण तथा मरम्मतीकरण का कार्य आरंभ करने की दिशा में कोई घोषणा नहीं किया जाना, इस बात का प्रतीक है कि रेलमंत्री का यह घोषणा भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जुमले के समान ही यह भी एक चुनावी जुमला बनकर ना रह जाए। सही मायने में देखा जाए तो रेलमंत्री का यह पूरा कार्यक्रम रेलमंत्री और एनडीए गठबंधन के नेताओं का इस चुनावी मौसम में पिकनिक टूर से बढ़कर और कुछ नहीं नजर आता है। न्यू जमालपुर रेलवे स्टेशन के निर्माण को लेकर तथा जमालपुर स्टेशन के विकास के अलावा भागलपुर-जमालपुर-किऊल रेलखंड पर अथवा जमालपुर-मुंगेर रेलखंड पर नए एक्सप्रेस व पैसेंजर ट्रेनों के परिचालन को लेकर भी कोई घोषणा नहीं किया जाना, दुर्भाग्यपूर्ण है। रेल मंत्री द्वारा जमालपुर रेल कारखाना के कुशल कारीगरों व कर्मचारियों के लिए भी कोई तोहफा भी नहीं दिया गया है। जमालपुर रेल कारखाने का अब तक का इतिहास रहा है कि जिस रेलमंत्री ने भी जमालपुर रेल कारखाना के साथ छलावा किया है, उनका कार्यकाल लंबा नहीं रहा है।

# एनटीपीसी नबीनगर दे रहा है बालिकाओं के सपनों को नई उड़ान

## 40 ग्रामीण छात्राओं को मिलेगा नि:शुल्क आवासीय प्रशिक्षण

रिपोर्ट – प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिले के सुप्रसिद्ध विद्युत पावर प्लांट एनटीपीसी नबीनगर ने बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ के पहल में एक कदम आगे बढ़ते हुए नबीनगर एनटीपीसी लिमिटेड के क्षेत्रीय कार्यकारी निर्देशक (पूर्वी क्षेत्र-१) श्री सुदीप नाग ने शुक्रवार को एनटीपीसी नबीनगर में बालिका सशक्तिकरण अभियान का उद्धघाटन किया। इस अभियान के अंतर्गत एनटीपीसी नबीनगर, आसपास के गाँवो के 40 बालिकाओ के लिए परियोजना परिसर में निशुल्क आवासीय कार्यशाला का आयोजन कर रहा है। अगले चार हफ्तों तक चलने वाले इस कार्यक्रम का उद्देश्य गाँवों में छिपी हुई मेधा को निखारना है।

कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए श्री सुदीप नाग ने बताया की यह




अभियान बालिकाओ के सर्वांगीण विकास पर बल देता है और उन्हें सशक्त नागरिक के रूप में तैयार करता है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस कार्यक्रम से प्रशिक्षित बालिकाओं को 'सपनों की उड़ान' भरने की इच्छाशक्ति का नया संबल मिलेगा₹। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए, एनटीपीसी नबीनगर के परियोजना प्रमुख एवं कार्यकारी निर्देशक श्री एल के बेहरा ने कहा कि GEM के माध्यम से प्रतिभागियों का आत्मविश्वास बढ़ेगा और उनका सर्वांगीण विकास होगा₹। पिछले दो वर्षों की तरह ही ही इस वर्ष भी एनटीपीसी नबीनगर ग्रामीण बालिकाओ के सर्वांगीण विकास हेतु उन्हें उच्चस्तरीय प्रशिक्षण देने जा रहा है। इस वर्ष अभियान में बारुण एवं नबीनगर ब्लॉक के सरकारी विद्यालयों से चुने गए 40 छात्राओं को निःशुल्क शिक्षा प्रदान किया जाएगा जिसमे गणित, अंग्रेजी, हिंदी आदि जैसे विषय शामिल है। नियमित शिक्षा के साथ साथ छात्राओं को कराटे, योग, Computer एवं अन्य प्रशिक्षण भी दिया जायेगा। अभियान के दौरान, छात्राओं को छात्रावास एवं पौष्टिक आहार की सुविधा भी प्रदान की जाएगी। उद्घाटन समारोह से पहले क्षेत्रीय कार्यकारी निर्देशक ने वरिष्ठ अधिकारीयों के साथ GEM के कक्षा और छात्रावास परिसर का निरिक्षण किया। कार्यक्रम में क्षेत्रीय कार्यकारी निर्देशक के अलावा परियोजना प्रमुख BRBCL श्री दीपक रंजन डिहुरी, महाप्रबंधक (O&M) BRBCL श्री बिमल कुमार सहा महाप्रबंधक (O&M), एनटीपीसी नबीनगर श्री के डी यादव सहित एनटीपीसी के अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण मौजूद रहे।

### जिले में टाटा कंपनी की पहली कार एजेंसी मां शक्ति कार्स का सदर विधायक ने उद्घाटन किया

#### स्थानीय लोगों को अब वाहन की खरीददारी और सर्विसिंग के लिए दूसरे शहरों की ओर नहीं जाना पड़ेगा।



रिपोर्ट– प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिला मुख्यालय स्थित मंजूराही मोड़ के समीप टाटा कंपनी की पहली कार एजेंसी ह्यमां शक्ति कार्सह्व का भव्य उद्घाटन शनिवार को सदर विधायक आनंद शंकर सिंह द्वारा फीता काटकर किया गया। इस अवसर पर विधायक श्रीआनंद शंकर सिंह ने कहा, ह्वयह औरंगाबाद जिले के लिए गर्व की बात है कि यहां टाटा कंपनी ने अपनी पहली चार पहिया वाहन एजेंसी की शुरूआत की है। इससे स्थानीय लोगों को अब वाहन की खरीददारी और सर्विसिंग के लिए दूसरे शहरों की ओर नहीं जाना पड़ेगा। यह सुविधा यहां के निवासियों को काफी राहत देगी।ह्व एजेंसी के संचालक राजू सिंह ने बताया कि उनकी कोशिश रहेगी कि कम कीमत पर अधिकतम लोगों तक गाड़ी उपलब्ध हो सके। उन्होंने भरोसा दिलाया कि ग्राहकों को बेहतरीन सेवा और किफायती दरों पर वाहन उपलब्ध कराए जाएंगे। उद्घाटन समारोह में स्थानीय जनप्रतिनिधि, व्यवसायी, और आम नागरिकों की भारी भीड़ उमड़ी रही। शोरूम की शुरूआत से औरंगाबाद जिले के ऑटोमोबाइल क्षेत्र को नई दिशा मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

# बटाने शीर्ष परियोजना (हडियाही )नहर का भविष्य अंधकारमय- पूर्व मंत्री

रिपोर्ट– प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- बिहार सरकार के पूर्व मंत्री एवं राष्ट्रीय जनता दल के प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ सुरेश पासवान ने कहा कि लगभग पैंतालीस वर्षों से बटाने शीर्ष परियोजना हडियाही राईट एवं लेफ़्ट कैनाल के कमांड क्षेत्र के किसान बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं कि हमारे खेतों में पानी कब आएगा,अँखियाँ लगभग पथरा ही गई है । मैं जब 1995 में देव विधानसभा से विधायक चुना गया तो दो वर्षों तक भगीरथ प्रयास करके वर्षों से इस नहर के बंद काम को युद्ध स्तर पर 1997-98 से सुरू कराने का काम किया गया और किसानों को उम्मीद जगी कि अब मेरे खेतों में भी नहर का पानी आएगा।लेकिन दुर्भाग्यवश सन 2000 में श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी के सरकार के द्वारा बिहार का विभाजन कर दिया गया जिसके कारण अंतरराज्यीय परियोजना की वजह से फिर एक बार काम बंद हो गया है। तत्कालीन केंद्र की सरकार वाले हैं इस परियोजना को ठंढे बस्ते में डाल दिया। डॉक्टर पासवान ने कहा है कि बीस वर्षों से बिहार। में नीतीश कुमार जी के नेतृत्व में डबल इंजन वाली सरकार चल रही है लेकिन हडियाही नहर का काम अधर में लटका हुआ है और इसके लिए पुरी



तरह से डबल इंजन वाली नीतीश कुमार की सरकार ज़िम्मेवार हैं ।चूँकि बिहार के बँटवारे के बाद यह परियोजना अंतर्राज्यीय झारखंड और बिहार के बीच में हो गया ।ऐसे परियोजनाओं को पूरा करने के लिए केंद्र सरकार की अहम भूमिका हो जाती है,लेकिन केंद्र की सरकार के घोर उदासीनता के चलते आज तक इस अति महत्वाकांक्षी परियोजना अधर में लटकी हुई है । मैं केंद्र की सरकार से माँग करता हूँ कि बिहार और झारखंड सरकार से इस परियोजना के अधूरे काम को पूरा करने के लिए पहल करे और भरपूर बजटीय,प्रशासनिक एवं तकनीकी सहयोग प्रदान करते हुए हडियाही नहर का निर्माण पुरा करावे ताकि किसानों के खेतों में पानी मिल सके।

One attachment • Scanned by Gmail

### सामुदायिक कक्षा संचालन हेतु शिक्षा सेवक की एक दिवसीय कार्यशाला




रिपोर्ट – अमरेन्द्र कुमार सिंह

गोह( औरंगाबाद )प्रखण्ड संसाधन केंद्र गोह में शिक्षा सेवकों की एक महत्वपूर्ण कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें देवब्रत और राहुल खान गांधी फेलो पीरामल फाउंडेशन, प्रखंड लेखापाल अमरेंद्र कुमार एवं प्रखंड मास्टर ट्रेनर रंजीत कुमार सिंह तथा शिक्षा सेवक अध्यक्ष और सचिव सहित सभी शिक्षा सेवक शामिल हुए। इस कार्यशाला शिक्षा सेवकों को मोहल्ला क्लास के द्वारा बच्चों के शैक्षिक परिणामों को बेहतर बनाने की रणनीतियों पर ध्यान केंद्रित किया गया। इस बैठक का प्राथमिक उद्देश्य सामुदायिक कक्षाओं में गुणवत्तापूर्ण सुधार लाना हेतु था, जिसमें शिक्षा सेवकों को समुदायों के करीब लाना है। गांधी फेलो राहुल ने शिक्षण के नवीन तरीकों पर चर्चा की और विशेष रूप से हिंदी और गणित में कमजोर बच्चों को चयनित करके उनपर विशेष ध्यान देने पर जोर दिया और निपुण लक्ष्यों पर प्रकाश डालते हुए वर्गवार दक्षता पर भी चर्चा हुई, शिक्षक सेवकों को जिससे बच्चों की सहभागिता और सीखने की गति को बढ़ावा देने की उम्मीद है। इसके अलावा शिक्षा सेवकों को शिक्षण सहायता के रूप में पीरामल फाउंडेशन द्वारा निर्मित की गई वर्कशीट के उपयोग के बारे में विस्तार से बताया गया। ये वर्कशीट सीखने को इंटरैक्टिव और सुलभ बनाने के लिए डिजाइन की गई हैं, जो प्रमुख अवधारणाओं को पढ़ाने के लिए एक संरचित दृष्टिकोण प्रदान करती हैं। प्रखण्ड मास्टर ट्रेनर रणजीत सिंह ने सभा को संबोधित करते हुए, सामुदायिक कक्षाओं के महत्व पर जोर दिया और उनकी प्रभावशीलता में सुधार के लिए विभिन्न तरीकों पर चर्चा किया। बैठक में समुदाय के बच्चों के लिए बेहतर शैक्षिक परिणाम सुनिश्चित करने और नवाचार करने के लिए शिक्षा सेवकों की सामूहिक प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला गया।ह सक्रिय दृष्टिकोण समुदाय-आधारित शिक्षा को बढ़ावा देने और बच्चों के लिए सीखने के अनुभवों की गुणवत्ता को बढ़ाने में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया

# रुद्रमहायज्ञ : राष्ट्रवादी विचारधारा से हीं देश होगा मजबूत - स्वामी सीताराम शरण

## रूद्रअवतार हनुमान जी के पूँछ में है रुद्रदेव शिव शंकर का वास : देवी अनुराधा सरस्वती

### सटवट शिव मंदिर का पूजा अर्चना के लिए आज से पट खुला : - प्रवीण सिंह

**औरंगाबाद** :- जिले के भगवान भाष्कर की धरती देव के सटवट ग्राम में हो रहें रुद्रमहायज्ञ में फेरी देने व कथा सुनने के लिए श्रद्धांलुओं की उमड़ रही भीड़ ' जिले के बाहर से भक्तगण आकर कर रहें जनसहयोग ' चित्रकूट के स्वामी सीताराम शरण जी वर्तमान भारत देश में हो रहें धार्मिक घुशपेठ की कड़ी निंदा करते हुए बोले कट्टरपंथी विचारधारा से हीं इसकी होंगी समाप्ति घर घर जाकर हिन्दुओं को जगायेंगे ' नारी शक्ति को भी जागृति कर दुगार्वाहिनी के साथ जोड़ा जाये ' सभी वर्गो का एकत्रित करण से हीं हमलोग राम मंदिर का निर्माण कर पाये है और बहुत जल्द हिन्दू राष्ट्र गठन की भक्तों मनोकामना होंगी पूर्ण ' सभी श्रद्धांलुओं को अपना वैराग्य शक्ति को पहचानना होगा ' कथावाचिका



देवी अनुराधा सरस्वती नें रामायण के हनुमान जी के पूँछ के प्रसंग के बारे विस्तारपूर्वक बताया की किसी सच्चे रामभक्त को यदि छेड़ा तो वो लंका में आग लगाकर सर्वनाश करने की ताकत रखता है ' सात्विक विचारधारा से हीं कलयुग का होगा अंत ' कार्यकारी अध्यक्ष प्रवीण सिंह जी बताया की सटवट ग्राम में शिव परिवार प्राण प्रतिष्ठा के बाद आज से मंदिर का पट खोल दिया गया है ' रुद्रमहायज्ञ से पुरे ग्राम भक्तिमय हो गया है ' यज्ञ समिति मौसम खराब होने के बावजूद भी कथा संचालन में किसी तरह की बाधा नहीं आने दिया गया ' सभी भक्तों से आग्रह किया जा रहा है की प्रत्येक दिन चल रहें भंडारा में प्रसाद सेवन करके हीं श्रद्धांलुओं घर को जाएँ ' अध्यक्ष विजय सिंह,किशोर सिंह, रामकेवल सिंह, सतीश पाठक, विजय पांडेय , प्रवीण सिंह, रुपेश जी नें अपने कड़ी मेहनत से यज्ञ को सफल बनाने में दिन रात

तैनात हैं ' श्रद्धांलुओं को आने जाने के लिए किसी तरह का दिक्कत ना हो इसलिए सभी जगह दूर दूर तक लाइटिंग की ब्यवस्था की गयी है ' पापों का विनाश के लिए रूद्र पूजा है अति आवश्यक '

## सरकार को आरबीआई के रिकॉर्ड लाभांश से राजकोषीय घाटा कम होकर 4.2फीसदी पर आने की उम्मीद, रिपोर्ट में दावा

**मुंबई।** भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की ओर से वित्त वर्ष 2024-25 के लिए सरकार को 2.69 लाख करोड़ रुपये का बंपर लाभांश देना देश की अर्थव्यवस्था के लिए काफी अहम साबित होगा। इससे सरकार का राजकोषीय घाटा कम हो सकता है। वर्तमान में राजकोषीय घाटा 4.5त्न है, अब इसके घटकर 4.2फीसदी आने की उम्मीदें बढ़ गई हैं। भारतीय स्टेट बैंक(एसबीआई) की रिपोर्ट के अनुसार यह घाटा 20 से 30 आधार अंकों तक कम होकर सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 4.2त्न तक पहुंच सकता है। 2025-26 के केंद्रीय बजट में रिजर्व बैंक और सार्वजनिक क्षेत्र के वित्तीय संस्थानों से करीब 2.56 लाख करोड़ रुपये का लाभांश मिलने का अनुमान जताया गया था। हालांकि आरबीआई ने ही उम्मीद से काफी अधिक लाभांश सरकार को दे दिया है। एसबीआई की रिपोर्ट के अनुसार, यह अतिरिक्त राजस्व सरकार को अपने घाटे को कम करने में मदद करेगा। इसके साथ ही प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में अधिक खर्च की गुंजाइश बढ़ेगी। भारतीय स्टेट बैंक की रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि बंपर लाभांश से सरकार की वित्तीय स्थिति मजबूत होगी। इससे, वैश्विक वित्तीय अनिश्चितताओं के बीच बॉन्ड्स की यील्ड कर्व को मैनेज करने मदद मिलेगी। यह रिजर्व बैंक के आकस्मिक जोखिम बफर (सीआर) को बढ़ावा देगा। जिससे इसका वित्तीय लचीलापन बढ़ा जाएगा।

## बैंक धोखाधड़ी के लिए वांछित अंगद चंडोक को भारत लाया गया; अमेरिका से किया गया प्रत्यर्पित

**नई दिल्ली।** भारत में बैंक धोखाधड़ी के लिए वांछित अंगद सिंह चंडोक को सीबीआई की ओर से अमेरिका से प्रत्यर्पण के बाद वतन वापस लाया गया। सीबीआई ने बताया कि केंद्रीय जांच ब्यूरो ने भारतीय नागरिक अंगद सिंह चंडोक को अमेरिका से सफलतापूर्वक प्रत्यर्पित किया है। चंडोक पर शेल कंपनियों के नेटवर्क के माध्यम से वरिष्ठ अमेरिकी नागरिकों को निशाना बनाकर करोड़ों डॉलर की तकनीकी सहायता धोखाधड़ी करने का आरोप है। सीबीआई के मुताबिक, चंडोक को एक अमेरिकी अदालत ने बड़े पैमाने पर ऑनलाइन धोखाधड़ी के संबंध में दोषी ठहराया था, जिसमें उसने और उसके सहयोगियों ने तकनीकी सहायता प्रदाता के रूप में खुद को पेश किया था। उन सभी ने पीड़ितों को बड़ी रकम हस्तांतरित करने के लिए धोखा दिया था। अमेरिकी न्याय विभाग के मार्च 2022 के प्रेस बयान के अनुसार, उसे इस योजना में उसकी भूमिका के लिए छह साल जेल की सजा सुनाई गई थी। अमेरिकी न्याय विभाग ने 2022 में उसे दोषी ठहराए जाने के बाद एक बयान में कहा था कि एक अमेरिकी अदालत ने 2022 में चंडोक को एक अंतरराष्ट्रीय तकनीकी सहायता घोटाले का हिस्सा होने के लिए दोषी ठहराया है। उसने अमेरिकियों के साथ ठगी की। उसने ज्यादातर बुजुर्ग लोगों को निशाना बनाश। उसने लोगों से उनकी जीवन भर की बचत ठग ली।

## बढ़ती मांग के बीच गिरी बैटरी धातुओं की कीमतें, लिथियम 80फीसदी सस्ता; आपूर्ति बढ़ना बना वजह

**नई दिल्ली।** दुनियाभर में बैटरियों के लिए जरूरी खनिजों और धातुओं खासकर लिथियम, कोबाल्ट, ग्रेफाइट और निकल जैसे तत्वों की मांग 2024 में तेजी से बढ़ी। ये धातुएं ई-वाहनों, सौर और पवन ऊर्जा सिस्टमों में इस्तेमाल होने वाली बैटरियों के लिए जरूरी हैं। इसके बावजूद इन धातुओं की कीमतों में भारी गिरावट दर्ज की गई है।ग्लोबल क्रिटिकल मिनरल्स आउटलुक 2025 रिपोर्ट के मुताबिक, लिथियम की कीमतें 2021-22 में आठ गुना बढ़ी थीं, अब उनमें 80 फीसदी की गिरावट आ चुकी है। कोबाल्ट, ग्रेफाइट और निकल के दाम भी 10 से 20 फीसदी तक घटे हैं। कीमतों में गिरावट का मुख्य कारण इन खनिजों की आपूर्ति बढ़ना है। चीन, इंडोनेशिया और कांगो जैसे देशों ने इनका खनन-उत्पादन तेजी से बढ़ाया है। 2020 के बाद से बैटरी में इस्तेमाल होने वाली धातुओं की आपूर्ति पिछले दशक की तुलना में दोगुनी रफ्तार से बढ़ी।

## 'आईएमएफ से मिली मदद से हथियार नहीं खरीद सकेगा पाकिस्तान', ऋण की शर्तों पर सामने आया अपडेट

**नई दिल्ली।** अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने साफ किया कि पाकिस्तान विस्तारित निधि सुविधा के तहत अपने केंद्रीय बैंक को मिली वित्तीय सहायता को इसके लिए तय कार्यक्रम से इतर इस्तेमाल को मंजूरी नहीं दे सकता। आईएमएफ के अनुसार, इसके साथ ही अनधिकृत सरकारी संवितरण या उधार सहित दुरुपयोग को रोकने के लिए सुरक्षा उपाय भी किए गए हैं। आईएमएफ की ओर से यह स्पष्टीकरण ऐसे मौके पर आया, जब भारत की ओर से वैश्विक एजेंसी से पाकिस्तान को फंडिंग दिए जाने पर बात करने की खबरें आ रही हैं। संचार प्रमुख जूली कोजैक ने गुरुवार को संवाददाताओं को बताया कि आईएमएफ का वित्तपोषण स्पष्ट रूप से भुगतान संतुलन की समस्याओं के समाधान के लिए है। इसमें स्थापित कार्यक्रम शर्तों से विचलन की स्थिति में राजकोषीय प्रबंधन में सुधार करने जैसी संरचनात्मक शर्तें शामिल हैं। एजेंसी के अनुसार ये शर्तें भविष्य की समीक्षाओं को प्रभावित करेगा। उन्होंने आईएमएफ की उस प्रोटोकॉल की ओर भी इशारा किया, जिसके तहत कार्यकारी बोर्ड ऋण कार्यक्रमों की समय-समय पर समीक्षा करता है... ताकि यह पता लगाया जा सके कि इसे वापस पटरी पर लाने के लिए नीतिगत बदलावों की जरूरत है या नहीं। कोजैक ने कहा, ... हमारे बोर्ड ने पाया कि पाकिस्तान ने वास्तव में सभी लक्ष्य हासिल कर लिए हैं।

# भारत में आईफोन मैन्युफैक्चरिंग का विस्तार देश के विनिर्माण पर एप्पल के भरोसे को दर्शाता है : राजीव चंद्रशेखर

**एजेंसी**

**नई दिल्ली ।** भाजपा की केरल इकाई के अध्यक्ष और पूर्व केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने कहा कि भारत में चुनौतियों के बावजूद आईफोन मैन्युफैक्चरिंग का विस्तार करने का एप्पल का निर्णय देश के मैन्युफैक्चरिंग इकोसिस्टम में बढ़ते वैश्विक विश्वास को दिखाता है। 2025 के अंत तक सभी आईफोन का लगभग 25 प्रतिशत भारत में बनाया जाएगा, जबकि कुछ साल पहले एप्पल की सप्लाई चेन पर चीन का प्रभुत्व था। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में पूर्व केंद्रीय मंत्री चंद्रशेखर ने कहा, 'उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना जैसी दूरदर्शी नीतियों और भारत सरकार के निरंतर प्रयासों की बदौलत, भारत तेजी से हाई-टेक मैन्युफैक्चरिंग के लिए एक ग्लोबल हब बन रहा है।' एप्पल के एक प्रमुख आपूर्तिकर्ता फॉक्सकॉन ने भारत में 12,700 करोड़ रुपए का निवेश किया है, साथ ही पेगाट्रॉन और विस्ट्रॉन जैसे अन्य साझेदार भी

परिचालन बढ़ा रहे हैं। ताइवान की इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण प्रमुख कंपनी की बेंगलुरु में स्थित यूनिट लॉन्च के लिए लगभग तैयार है और जून की शुरुआत में ही कमर्शियल एप्पल शिपमेंट शुरू होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा, 'भारत 2027 तक इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण में 300 बिलियन डॉलर तक पहुंचने के लिए अच्छी तरह से तैयार है, जिसमें 120 बिलियन डॉलर का लक्ष्य निर्यात के लिए है। मात्र एक दशक पहले, भारत में 80 प्रतिशत से अधिक स्मार्टफोन आयात किए जाते थे और स्मार्टफोन निर्यात न के बराबर था। पूर्व केंद्रीय मंत्री चंद्रशेखर ने कहा, 'मुझे भारत-एप्पल साझेदारी को मजबूत करने में भूमिका निभाने पर गर्व है। यह तो बस शुरुआत है।' भारत में एप्पल के कॉन्ट्रैक्ट निर्माता पहले से ही अपने परिचालन का विस्तार कर रहे हैं। बेंगलुरु में फॉक्सकॉन का प्लांट पूरी क्षमता पर 20 मिलियन आईफोन का उत्पादन कर सकता है। भारत में एप्पल की विनिर्माण शक्ति पहले से ही प्रभावशाली है। पिछले वर्ष भारत में 22 बिलियन डॉलर मूल्य के आईफोन असेंबल किए गए, जिसमें तमिलनाडु स्थित फॉक्सकॉन ने एप्पल के निर्यात में लगभग 50 प्रतिशत का योगदान दिया। पिछले साल की समान अवधि की तुलना में फॉक्सकॉन की फैक्ट्री से निर्यात में 40 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई है। आज, भारत में दुनिया भर में एप्पल के कुल आईफोन उत्पादन का लगभग 20 प्रतिशत हिस्सा है, जो दर्शाता है कि ब्रांड की वैश्विक योजनाओं के लिए भारत कितना महत्वपूर्ण बन गया है।

# भारत में आईफोन विनिर्माण पर ट्रंप की चेतावनी : एप्पल को देना होगा 25 प्रतिशत टैरिफ

**एजेंसी**

**नई दिल्ली।** अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने बहुराष्ट्रीय प्रौद्योगिकी कंपनी एप्पल को सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि यदि अमेरिका में बिकने वाले आईफोन का विनिर्माण भारत या किसी अन्य देश में किया गया तो कंपनी को 25 प्रतिशत टैरिफ देना होगा। श्री ट्रम्प ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर एक पोस्ट में कहा, मैंने बहुत पहले एप्पल के सीईओ (मुख्य कार्यकारी अधिकारी) टिम कुक को स्पष्ट रूप से बता दिया था कि मैं चाहता हूं कि अमेरिका में बिकने वाले आईफोन का विनिर्माण अमेरिका में ही हो, भारत या अन्य किसी देश में नहीं। उन्होंने दुहराया कि यदि एप्पल ऐसा नहीं करती है तो उसे अमेरिका को 25 प्रतिशत आयात शुल्क चुकाना पड़ेगा। पिछले दस दिनों में यह दूसरी बार है जब श्री ट्रम्प ने श्री कुक को भारत में निवेश को लेकर चेतावनी दी है।

श्री ट्रम्प ने 15 मई को कतर की राजधानी दोहा में एक व्यापार सम्मेलन में कहा था, भारत अपना ध्यान खुद रख सकता है। मैंने टिम कुक से कहा, मेरे दोस्त, मैं आपके साथ अच्छा व्यवहार कर रहा हूं लेकिन मैंने सुना है कि आप भारत में विनिर्माण बढ़ा रहे हैं। मैं नहीं चाहता कि आप ऐसा करें।

गौरतलब है कि एप्पल वर्तमान में भारत में आईफोन का विनिर्माण तेजी से बढ़ा रहा है। कंपनी की योजना है कि अगले कुछ वर्षों में उसके कुल आईफोन विनिर्माण में भारत की हिस्सेदारी 25 प्रतिशत तक ले जाई जाए ताकि चीन पर निर्भरता को कम किया जा सके।

# अडाणी समूह पूर्वोत्तर क्षेत्र में एक लाख करोड़ रुपये का करेगा निवेश: गौतम अडाणी

**एजेंसी**

**नई दिल्ली।** अडाणी समूह के अध्यक्ष गौतम अडाणी ने अगले 10 वर्षों में पूर्वोत्तर क्षेत्र में 50 हजार करोड़ रुपये के अतिरिक्त निवेश का ऐलान किया। यह निवेश उस 50,000 करोड़ के अतिरिक्त है, जिसकी घोषणा अडाणी समूह ने इसी साल फरवरी में असम में निवेश के तौर पर की थी। इस तरह समूह की कुल प्रतिबद्धता एक लाख करोड़ रुपये हो गई है।गौतम अडाणी ने नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में आयोजित 'राइजिंग नॉर्थ ईस्ट इन्वेस्टर्स समिट 2025' को संबोधित करते हुए पूर्वोत्तर भारत में निवेश की घोषणा की। उन्होंने बताया कि अडाणी समूह अगले 10 सालों में क्षेत्र में ग्रीन एनर्जी, सड़कों के निर्माण और डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर विकसित करने के लिए अतिरिक्त 50,000 करोड़ रुपये निवेश करेगा। उन्होंने कहा कि उनका समूह पूर्वोत्तर में अपनी उपस्थिति का विस्तार करना चाहता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मौजूदगी में गौतम अडाणी ने कहा, ''तीन महीने पहले असम में हमने 50 हजार करोड़ रुपये का

निवेश करने का वादा किया था। यह निवेश स्मार्ट-मीटर, हाइड्रो पंप स्टोरेज, विद्युत पारेषण, सड़क एवं राजमार्ग, डिजिटल बुनियादी ढांचा, लॉजिस्टिक्स के साथ ही 'स्किलिंग एवं वोकेशनल ट्रेनिंग सेंटर' के माध्यम से क्षमता-निर्माण सहित हरित ऊर्जा का विस्तार करेगा। उन्होंने बताया कि प्रत्येक पहल स्थानीय नौकरियों, स्थानीय उद्यमिता और सामुदायिक जुड़ाव को प्राथमिकता देगी, जो विकसित भारत 2047 से संबंधित है। समूह के चेयरमैन ने कहा, पिछले एक दशक में पूर्वोत्तर की पहाड़ियों और घाटियों में भारत की विकास कहानी का एक नया अध्याय सामने आ रहा है। हमारी कहानी विविधता, लचीलेपन और अप्रयुक्त क्षमता में निहित है। ये क्षेत्र अब हमारे सांस्कृतिक गौरव, आर्थिक वादे और रणनीतिक दिशा का स्रोत है।

# एक दिन की कमजोरी के बाद शेयर बाजार में लौटी रौनक, निचले स्तर से एक हजार अंक उछला सेंसेक्स

**एजेंसी**

**नई दिल्ली।** गुरुवार की गिरावट के बाद घरेलू शेयर बाजार ने आज शानदार अंदाज में वापसी की। मजबूत ग्लोबल संकेतों और यूएस बॉन्ड यील्ड में आई गिरावट के कारण विदेशी निवेशक भी आज पूरे उत्साह में नजर आए। लगातार हुई खरीदारी के सपोर्ट के कारण सेंसेक्स आज निचले स्तर से 1 हजार अंक से अधिक उछल गया। इसी तरह निफ्टी ने भी इंट्रा-डे में लगभग 300 अंक की छलांग लगाई। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.95 प्रतिशत और निफ्टी 0.99 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए।आज दिनभर के कारोबार के दौरान बैंकिंग, एफएमसीजी और आईटी सेक्टर के शेयरों में लगातार खरीदारी होती रही। इसी तरह ऑटोमोबाइल, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्युरेबल्स, मेटल, ऑयल एंड गैस, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और टेक इंडेक्स भी बढ़त के साथ बंद हुए। दूसरी ओर, हेल्थकेयर सेक्टर में आज बिकवाली का मामूली दबाव नजर आया, जिसकी वजह से बीएसई का हेल्थकेयर

इंडेक्स 0.01 प्रतिशत की सांकेतिक कमजोरी के साथ बंद हुआ। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार खरीदारी होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.50 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.45 प्रतिशत की बढ़त के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में करीब 3 लाख करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 441.88 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी गुरुवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 438.98 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 2.90 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया।

# भारत ने ब्रिक्स देशों के बीच निर्यात नियंत्रण समाप्त करने का किया आह्वान

**एजेंसी**

**नई दिल्ली।** भारत ने 15वीं ब्रिक्स व्यापार मंत्रियों की बैठक में ब्रिक्स सदस्यों के बीच निर्यात नियंत्रण समाप्त करने का आह्वान किया। भारत ने यह अपील बुधवार को ब्राजील की अध्यक्षता में 15वीं ब्रिक्स व्यापार मंत्रियों की बैठक के दौरान की। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने जारी बयान में बताया कि भारत ने ब्रिक्स देशों के बीच निर्यात नियंत्रण को खत्म करने का आह्वान किया है ताकि अंतर-ब्लॉक व्यापार को मजबूत किया जा सके और वैश्विक दक्षिण के भीतर अधिक एकजुटता को बढ़ावा दिया जा सके। मंत्रालय ने बताया कि 15वीं ब्रिक्स व्यापार मंत्रियों की बैठक 21 मई को ब्राजील की अध्यक्षता में आयोजित की गई। इसका विषय अधिक समावेशी और टिकाऊ शासन के लिए वैश्विक दक्षिण सहयोग को मजबूती था। भारत ने इस मंच का

उपयोग ब्रिक्स सदस्यों के बीच निर्यात नियंत्रण का विरोध करने के लिए किया, जिससे ब्लॉक के भीतर आपसी सहयोग को बढ़ावा मिला।

15वीं ब्रिक्स व्यापार मंत्रियों की बैठक का एक प्रमुख परिणाम तीन अनुलग्नकों सहित संयुक्त घोषणा का अनुमोदन था:-

-ब्रिक्स व्यापार और सतत विकास कार्यक्रम।

भारत साल 2026 में ब्रिक्स की अध्यक्षता संभालने की तैयारी कर रहा है। भारत ने महत्वपूर्ण व्यापार मुद्दों का समाधान करने में ब्राजील की अध्यक्षता के समाधान-उन्मुख दृष्टिकोण की सराहना की।

भारत ने लंबे समय से चले आ रहे विकास संबंधी मुद्दों को हल करने की जरूरतों पर प्रकाश डाला, विशेष रूप से खाद्य सुरक्षा के लिए सार्वजनिक भंडारण (पीएसएच) के स्थायी समाधान की मांग की। 30 फॉर 30 के भारतीय प्रस्ताव पर भी जोर दिया गया, जो 2025 में डब्ल्यूटीओ की 30वीं वर्षगांठ को चिह्नित करने के लिए 30 वृद्धिशील सुधार पेश करने का प्रयास करता है।

-विश्व व्यापार संगठन में सुधार और बहुपक्षीय व्यापार प्रणाली को मजबूत बनाने पर ब्रिक्स घोषणापत्र।

-ब्रिक्स डेटा अर्थव्यवस्था शासन समझ।

# रुपया 67 पैसे उछला

**एजेंसी**

**मुंबई।** अमेरिकी राजकोषीय परिदृश्य को लेकर बढ़ी चिंता से दुनिया की प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर के कमजोर पड़ने से आज अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया 67 पैसे उछलकर 85.28 रुपये प्रति डॉलर पर पहुंच गया।वहीं, इसके पिछले कारोबारी दिवस रुपया 85.95 रुपये प्रति डॉलर पर रहा था। कारोबार की शुरुआत में रुपया चार पैसे फिसलकर 85.99 रुपये प्रति डॉलर पर खुला और सत्र के दौरान यही इसका दिवस का निचला स्तर भी रहा। वहीं, आयातकों एवं बैंकरों की डॉलर बिकवाली होने से यह 85.14 रुपये प्रति डॉलर के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। अंत में पिछले दिवस के 85.95 रुपये प्रति डॉलर की तुलना में 67 पैसे उछलकर 85.28 रुपये प्रति डॉलर पर पहुंच गया। विश्लेषकों के अनुसार, अमेरिकी राजकोषीय परिदृश्य को लेकर बढ़ती चिंताओं के चलते डॉलर में कमजोरी देखी गई, जिसका लाभ रुपये को मिला और रुपये में मजबूती दर्ज की गई।बाजार विश्लेषक राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कर कटौती विधेयक के संभावित

प्रभाव का मूल्यांकन कर रहे हैं, जिससे अमेरिकी ऋण में उल्लेखनीय वृद्धि की आशंका जताई जा रही है। निवेशकों के बीच इस बात को लेकर चिंता है कि यह विधेयक अमेरिका के वित्तीय घाटे को और गहरा कर सकता है, जिससे डॉलर पर दबाव बढ़ा है।

# आरबीआई ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए केंद्र को 2.68 लाख करोड़ रुपये अधिशेष हस्तांतरण को दी मंजूरी

**एजेंसी**

**मुंबई।** रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के केंद्रीय निदेशक मंडल ने केंद्र सरकार को वित्त वर्ष 2024-25 के लिए 2.68 लाख करोड़ रुपये का भारी लाभांश देने को अपनी मंजूरी दे दी है, जो वित्त वर्ष 2023-24 के लाभांश भुगतान 2.1 लाख करोड़ रुपये से 27.4 फीसदी अधिक है। इसके पहले वित्त वर्ष 2022-23 के लिए भुगतान वितरण 87,416 करोड़ रुपये रहा था। इससे केंद्र को चालू वित्त वर्ष 2025-26 में राजकोषीय घाटे को 4.4 फीसदी तक कम करने में मदद मिलेगी। रिजर्व बैंक के केंद्रीय निदेशक मंडल की 616वीं बैठक आज मुंबई में गवर्नर संजय मल्होत्रा की अध्यक्षता में हुई। इस बैठक में रिजर्व बैंक ने एक महत्वपूर्ण निर्णय में वित्त वर्ष 2024-25 के लिए केंद्र सरकार को

2,68,590.07 करोड़ रुपये करोड़ रुपये (2.69 ट्रिलियन रुपये) का अधिशेष हस्तांतरण करने की घोषणा की है। यह केंद्रीय बैंक का अब तक का सबसे बड़ा हस्तांतरण है, जिससे चालू वित्त वर्ष 2025-26 में सरकार के राजकोषीय संसाधनों को काफी बढ़ावा मिल सकता है। इसके अलावा केंद्रीय बोर्ड की 616वीं बैठक में आरबीआई अधिकारियों ने वैश्विक और घरेलू आर्थिक परिदृश्य की समीक्षा की है, जिसमें भविष्य के लिए जोखिम भी शामिल थे। 202425 में लाभांश भुगतान पिछले वित?त वर्ष 2023-24 की तुलना में 27.37 फीसदी अधिक है। इसके अलावा आकस्मिक जोखिम बफर (सीआरबी) को पिछले 6.5 फीसदी से बढ़ाकर 7.50 फीसदी कर दिया गया है। केंद्रीय बोर्ड की बैठक में डिप्टी गवर्नर एम. राजेश्वर राव, टी. रबी शंकर, स्वामीनाथन जे., डॉ. पूनम गुप्ता और केंद्रीय बोर्ड के अन्य निदेशक, अजय सेठ, सचिव, आर्थिक मामले विभाग, नागराजू मद्दिराला, सचिव, वित्तीय सेवा विभाग, सतीश के. मराठे, रेवती अय्यर, प्रो. सचिन चतुर्वेदी, पंकज रमनभाई पटेल और डॉ. रवींद्र एच. ढोलकिया शामिल हुए।

# रिलायंस समूह पूर्वोत्तर राज्यों में 75 हजार करोड़ का करेगा निवेश :मुकेश अंबानी

**एजेंसी**

**नई दिल्ली।** रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक मुकेश अंबानी ने कहा कि उनका समूह पूर्वोत्तर राज्यों में 350 बायोगैस संयंत्र की स्थापना, अपनी दूरसंचार सेवाओं, खुदरा कारोबार एवं स्वच्छ ऊर्जा परियोजनाओं के विस्तार पर 75 हजार करोड़ रुपये का निवेश करेगा

मुकेश अंबानी ने नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में आयोजित 'राइजिंग नॉर्थ ईस्ट इन्वेस्टर्स समिट 2025' को संबोधित करते हुए कहा कि रिलायंस जियो पूर्वोत्तर राज्यों के सभी स्कूलों, अस्पतालों, उद्यमों और घरों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से जोड़ेगा। उन्होंने बताया कि जियो ने पहले ही क्षेत्र की 90 फीसदी आबादी को कवर कर लिया है, जिसमें 5 मिलियन से अधिक 5-जी ग्राहक हैं, जबकि इस साल इस संख्या को दोगुना करने का लक्ष्य है।

मुकेश अंबानी ने कहा कि जियो की प्राथमिकता आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की क्रांतिकारी शक्ति को सभी स्कूलों, अस्पतालों, उद्यमों और घरों तक पहुंचानी होगी। उन्होंने अरुणाचल प्रदेश, असम, मणिपुर, मेघालय, मिज़ोरम, नगालैंड, सिक्किम और त्रिपुरा सहित पूर्वोत्तर राज्यों में रिलायंस के निवेश को दोगुना करने का भी वादा किया, जिसका लक्ष्य 75 हजार करोड़ रुपये है। रिलायंस ने पिछले 40 वर्षों में इस क्षेत्र में पहले ही करीब 30,000 करोड़ रुपये का निवेश किया है। राइजिंग नॉर्थईस्ट इन्वेस्टर्स समिट के दौरान मुकेश अंबानी ने क्षेत्र के विकास में तेजी लाने के लिए छह सूत्री प्रतिबद्धताएं रखीं, जिसमें निवेश, कनेक्टिविटी, कृषि, स्वच्छ ऊर्जा, स्वास्थ्य सेवा और खेल शामिल हैं। उन्होंने इसके हिस्से के रूप में पूर्वोत्तर में रिलायंस फाउंडेशन के प्रमुख पहलों की घोषणा की, जिसमें मणिपुर में एक नए 150-बेड वाले अस्पताल, मिजोरम विश्वविद्यालय के साथ जीनोमिक अनुसंधान साझेदारी और गुवाहाटी में एक अत्याधुनिक डायग्नोस्टिक्स लैब के जरिए इस क्षेत्र में विश्व स्तरीय कैंसर देखभाल लाना शामिल है।

## आरबीआई ने यूनियन बैंक ऑफ इंडिया पर लगाया 63.60 लाख का जुर्माना

**मुंबई।** भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने यूनियन बैंक ऑफ इंडिया (यूबीआई) पर नियामकीय निर्देशों के उल्लंघन के चलते 63.60 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। केंद्रीय बैंक ने

बताया कि उसने 31 मार्च 2023 और 31 मार्च 2024 को बैंक की वित्तीय स्थिति के संबंध में निरीक्षण किया था, जिसके दौरान उसने पाया कि यूबीआई में जमाकर्ता शिक्षा और जागरूकता कोष (डीईएएफ) में तय समय सीमा के भीतर आवश्यक राशि का हस्तांतरण नहीं किया गया। गिरवी मुक्त कृषि ऋण के दिशा-निर्देशों के उल्लंघन में बैंक ने कुछ मामलों में 1.60 लाख रुपये तक के कृषि ऋण पर गिरवी मांगा। इन उल्लंघनों के मद्देनजर आरबीआई ने बैंक को कारण बताओ नोटिस जारी किया था। बैंक के जवाब, अतिरिक्त स्पष्टीकरण और व्यक्तिगत सुनवाई में दी गई दलीलों पर विचार करने के बाद यह निर्णय लिया गया कि नियमों का उल्लंघन हुआ है। इसके बाद यूनियन बैंक ऑफ इंडिया पर यह जुर्माना लगाया गया है।

# मनोहर लाल ने कर्नाटक में समय पर बकाया भुगतान और ट्रांसमिशन बाधाओं के समाधान का किया आह्वान

**एजेंसी**

**नई दिल्ली।** केंद्रीय विद्युत मंत्री मनोहर लाल ने बेंगलुरु में कर्नाटक के विद्युत क्षेत्र की व्यापक समीक्षा की। मंत्री ने राज्य से अपनी विद्युत वितरण कंपनियों के वार्षिक वित्तीय नुकसान को कम करने के साथ लागत आधारित टैरिफ लागू करने की दिशा में कदम उठाने का आग्रह किया। इसके अलावा उन?होंने सरकारी विभागों से संबंधित बकाया और सब्सिडी के समय पर भुगतान के महत्व को रेखांकित किया विद्युत मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि इस समीक्षा बैठक में केंद्रीय विद्युत और नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा राज्य मंत्री श्रीपद नाइक, कर्नाटक के ऊर्जा मंत्री केजे जॉर्ज तथा केंद्र सरकार, राज्य सरकार और आरईसी लिमिटेड के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। बैठक के दौरान राज्य सरकार ने कर्नाटक में विद्युत उत्पादन, ट्रांसमिशन और वितरण की वर्तमान स्थिति पर विस्तृत प्रस्तुति दी। विद्युत उत्पादन मिश्रण, ट्रांसमिशन बुनियादी ढांचे के लिए राइट ऑफ वे (आरओडब्ल्यू) में चुनौतियों और वितरण बुनियादी ढांचे

को बेहतर बनाने के लिए समर्थन की आवश्यकता जैसे मुद्दों पर चर्चा की गई। मनोहर लाल ने जोर देकर कहा कि उनका यहा दौरा जमीनी स्तर के मुद्दों को बेहतर ढंग से समझने और राज्य में विद्युत आपूर्ति को मजबूत करने के लिए नई पहलों की खोज करना है। मंत्री ने राज्य से अपनी विद्युत वितरण कंपनियों के वार्षिक वित्तीय नुकसान को कम करने और लागत-आधारित टैरिफ लागू करने की दिशा में कदम उठाने का आग्रह किया। उन्होंने सरकारी विभागों से संबंधित बकाया और सब्सिडी के समय पर भुगतान के महत्व को रेखांकित किया और राज्य को अगस्त 2025 तक सरकारी प्रतिष्ठानों, स्थानीय निकायों और कॉलोनियों में प्रीपेड स्मार्ट मीटर पूरी तरह से लगाने की सलाह दी। उन्होंने सरकारी बिजली बकाया के कुशल प्रबंधन के लिए एक केंद्रीकृत भुगतान तंत्र की जरूरत पर भी जोर दिया मनोहर लाल ने राज्य सरकार को वाणिज्यिक, औद्योगिक और अन्य उपभोक्ता श्रेणियों के लिए स्मार्ट मीटरिंग के रोलआउट को समयबद्ध तरीके से तेज करने का निर्देश दिया। उन्होंने ट्रांसमिशन बुनियादी ढांचे को बाधित करने वाले आरओडब्ल्यू मुद्दों के शीघ्र समाधान की सलाह दी और भारत सरकार द्वारा जारी मुआवजा तंत्र को अपनाने का आह्वान किया।

**मनोहर लाल ने जोर देकर कहा कि उनका यहा दौरा जमीनी स्तर के मुद्दों को बेहतर ढंग से समझने और राज्य में विद्युत आपूर्ति को मजबूत करने के लिए नई पहलों की खोज करना है।**

# खाना बनाना पहली पसंद...

यहाँ स्त्री-पुरुष का भेद भी नहीं है; स्त्री हो या पुरुष कई सेलिब्रिटीज का चुनाव चिह्न ( !) अब बेलन है। पाककला के अड्डे में कई बड़े-बड़े उतर आए हैं। चलिए आज मिलते हैं ऐसी ही कुछ सेलिब्रिटीज से, जिनकी 'भाषा लजीज' और 'खाना बौद्धिक' है; और इसमें कुछ भी उल्टा-पुल्टा नहीं है, सब सीधा-सीदा है। खाना बनाना आखिर कोई कम दिमाग का काम थोड़े ही है!

एक समय था जब कुकिंग को केवल घरेलू कार्य ही माना जाता था। कार्य विभाजन के चलते रसोईघर स्त्रियों को ही सौंपा जाता था खासकर घरेलू स्त्रियों को। हालाँकि मोटे तौर पर यह आज भी सत्य है, पर इस बीच एक और सत्य खंगाल लिया गया है कि कुकिंग एक ऐसी कला है जिसके गुणग्राहक लगभग सभी हैं। 'अच्छा भोजन' हर किसी को अच्छा लगता है। यह सत्य अन्वेषित करते ही कई बड़े-बड़े 'कलाकार' कुकिंग के क्षेत्र में उतर आए हैं।

अच्छा भोजन पकाना अब न बोरिंग कहलाता है, न घरेलू कहकर सीमित किया जाता है बल्कि इसे एक अंतरराष्ट्रीय कला विधा का दर्जा प्राप्त हो गया है। इसके चलते कई कलमकारों ने कलम के साथ ही खुर्ची ले ली है। रंग व ब्रश वाले हाथ गरम तवे पर छींटे डालते नजर आते हैं, तो कहीं बुद्धिजीवी कहलाने वाले चिंतक, पत्रकारों, सोशलाइट्स ने भी बावर्ची की टोपी पहन ली है।

पद्मालक्ष्मी की गिनती विश्व की दिग्गज सुपर मॉडलों में होती है। एक छात्रा रहते ही मॉडल के रूप में कोई 2 लाख रुपए प्रतिदिन कमाने वाली पद्मालक्ष्मी हमेशा एक अत्याधुनिक, फैशनेबल महिला के रूप में जानी जाती रही हैं। अभिनय के क्षेत्र में भी उनका दखल है। एक ऐसी जगह है,जहाँ ऐसी 'हाई लाइफ' जीने वाली महिला को पाने की उम्मीद प्रायः आप और हम नहीं करते। वह है रसोईघर... लेकिन यह क्या! पद्मालक्ष्मी तो यहाँ भी मौजूद हैं! वे न सिर्फ खाना पकाती हैं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खान-पान विशेषज्ञ के रूप में ख्याति पा चुकी हैं। कुकिंगसंबंधी अनेक टीवी शोज कर चुकीं पद्मालक्ष्मी 1999 में लेखिका भी बनीं, जब उन्होंने मॉडल्स के खान-पान पर केंद्रित पुस्तक 'इजी एक्जोटिक' लिखी और अपनी इस पहली ही पुस्तक के लिए पुरस्कृत भी हुईं। दरअसल एक पार्टी में एक प्रकाशक हार्वे वाइनस्टीन ने पद्मालक्ष्मी को आम लोगों की ही तरह खाते हुए देखा तो उन्हें आश्चर्य हुआ, क्योंकि आम तौर पर यही देखा गया है कि मॉडल्स अपना फिगर मैंटेन करने की खातिर भुखमरी की कगार तक चली जाती हैं। उन्होंने पद्मा से मॉडल्स की खुराक पर केंद्रित किताब लिखने को कहा। इस पर पद्मा ने विभिन्न देशों के कम वसायुक्त पकवानों की 30 विधियों की किताब तैयार कर डाली। इन दिनों वे अपनी दूसरी किताब लिखने में व्यस्त हैं।

एक समय था जब कुकिंग 'साधारण गृहिणियों' के एकाधिकार वाला 'बोरिंग' काम माना जाता था। उच्च शिक्षित, आधुनिक करियर वीमेन का इससे छत्तीस का आँकड़ा होना एक सामान्य बात समझी जाती थी। पुरुषों का इसमें दखल होना तो खैर, दुनिया का आठवाँ अजूबा ही माना जाता था (बशर्ते वे पेशेवर शेफ न हों)! मगर आज स्थितियाँ बदल गई हैं। देश-विदेश में अपने-अपने क्षेत्र की जानी-मानी हस्तियाँ (स्त्री एवं पुरुष दोनों) शौक की खातिर अथवा वैकल्पिक व्यवसाय के तौर पर रसोईघर की ओर रुख कर रही हैं। स्वयं विभिन्न प्रांतों व देशों के पकवान पकाने के अलावा वे टीवी पर कुकरी शो प्रस्तुत करते हैं, पाक विधा पर किताबें लिखते हैं, देश-दुनिया के पंच सितारा रेस्तराँओं से लेकर सड़क किनारे के ढाबों में जाकर वहाँ के व्यंजन चखकर उन पर अपनी राय देते हैं तथा लोगों को सलाह देते हैं कि क्या खाएँ, कहाँ खाएँ, कैसे खाएँ आदि। ऐसे सेलेब्रिटी पाक कला विशेषज्ञों की लंबी फेहरिस्त बन सकती है। उदाहरण के लिए, मधुर जाफरी हमेशा अभिनेत्री बनना चाहती थीं। वे स्कॉलरशिप पाकर एक्टिंग सीखने इंग्लैंड गईं और अभिनेत्री बन भी गईं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ख्याति प्राप्त कुछ फिल्मों में उन्होंने काम किया। फिर जब अभिनेता सईद जाफरी से उनका तलाक हो गया तो उनके जीवन में महत्वपूर्ण मोड़ आया। उनके ऊपर तीन बच्चों के लालन-पालन का जिम्मा था और अभिनय से पर्याप्त आय हो नहीं रही थी। मधुर ने अनेक छुट-पुट काम किए, जिनमें संयुक्त राष्ट्रसंघ में गाइड का काम भी शामिल था। वे पत्रिकाओं में विभिन्न विषयों पर लेख भी लिखने लगीं। इनमें पाक कला पर लिखे लेख इतने पसंद किए गए कि उनसे इसी विषय पर और लिखने के लिए कहा जाने लगा। देखते ही देखते उनकी ख्याति अभिनेत्री से भी ज्यादा कुकरी विशेषज्ञ के रूप में स्थापित हो गई। पत्र-पत्रिकाओं में उनके स्तंभ छपने लगे, किताबें छपीं, टीवी पर अनेक सफल शोज आए। भारतीय खान-पान को ब्रिटेन-अमेरिका में लोकप्रिय बनाने में मधुर जाफरी का बहुत महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

रश्मि उदय सिंह ने पत्रकारिता की उपाधि प्राप्त की थी, लेकिन फिर सिविल सर्विसेज परीक्षा में बैठीं और भारतीय राजस्व सेवा में चुन ली गईं। 13 वर्ष तक उन्होंने आयकर विभाग में नौकरी की। इसके साथ ही लेखन के शौक को बरकरार रखते हुए वे विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं में लिखती रहीं। अस्सी के दशक में उन्होंने जेआरडी टाटा, एमएफ हुसैन, रूसी करंजिया और देव आनंद जैसे चिर युवाओं पर एक लेख लिखा। इसके लिए वे इन सभी युवाओं से मिलीं। इन सबमें जो एक समान बात उन्होंने पाई, वह यह कि वे अपने काम में पूरा रस लेते थे और इसी से ऊर्जा प्राप्त करते थे। इन मुलाकातों ने रश्मि के मन पर गहरा प्रभाव छोड़ा। वे इन चिर युवाओं के जीवन दर्शन पर करीब दो साल तक सोचती रहीं। अंततः उन्होंने तय किया कि वे अपना शेष जीवन ऐसा काम करते हुए बिताना चाहेंगी जिसे वे तहेदिल से करना चाहती हों। उन्होंने आयकर उपायुक्त पद पर रहते हुए नौकरी छोड़ दी और लेखन पर ध्यान केंद्रित कर दिया। वैसे तो वे कई विषयों पर लिखती थीं, लेकिन मुख्यतः उनका विषय रेस्तराँ और भोजन ही होता। जब एक अखबार में उनका स्तंभ शुरू हुआ तो फिर रश्मि ने पीछे मुड़कर नहीं देखा। आज वे एक दिग्गज कुकरी विशेषज्ञ के रूप में सुविख्यात हैं।

कुणाल विजयकर यूँ तो रंगमंच, फिल्मों एवं टीवी पर अभिनेता के रूप में नाम कमा चुके हैं। वे विज्ञापन जगत से भी संबंध रखते हैं और पेंटिंग से भी उनका ताल्लुक है, लेकिन इन दिनों वे खान-पान विशेषज्ञ की भूमिका में खासे चर्चित हो रहे हैं। अपने टीवी शो में वे देशके कोने-कोने में जाकर वहाँ के खास व्यंजनों की पड़ताल करते हैं।

वरिष्ठ पत्रकार वीर संघवी राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय राजनीति और समाज से जुड़े प्रायः हर विषय पर लिखते हैं, लेकिन एक विषय जिस पर उनका लेखन अपनी अलग ही छाप छोड़ता है, वह है खान-पान। वे इस पर नियमित स्तंभ भी लिखते हैं और किताब भी लिख चुके हैं, साथ ही टीवी पर भीशो करते हैं।

विनोद दुआ टीवी पर एक जाना-पहचाना चेहरा हैं। भ्रष्टाचारियों की खबर लेना हो या फिर चुनाव विश्लेषण करना हो, विनोद दुआ के कायल दर्शक हमेशा रहे हैं। अब वे एक खान-पान विशेषज्ञ की भूमिका में नियमित रूप से टीवी पर नजर आ रहे हैं। वे प्रसिद्ध 'खाऊ' ठिकानों पर जाकर वहाँ की खास डिशेज का रसास्वादन करते हैं और उनकी खूबियों के बारे में दर्शकों का ज्ञानवर्द्धन करते हैं।

खान-पान के क्षेत्र में इन लीक से हटकर हस्तियों के आने से एक महत्वपूर्ण बात यह सामने आई है कि खाने में पोषक तत्वों, कैलोरीज की मात्रा, पकाने की स्वास्थ्यवर्द्धक विधि आदि पर विशेष ध्यान दिया जाने लगा है। चूँकि कुछेक अपवादों को छोड़कर ये विशेषज्ञ न्यूट्रीशन आदि विषयों पर काफी कुछ पढ़ चुके हैं और अमूमन पाक कला के वैज्ञानिक पक्ष को भी बेहतर तरीके से समझते हैं, अतः उनके द्वारा बताई जाने वाली विधियों में यह वैज्ञानिक पहलू स्पष्ट झलकता है। वे स्वाद पर ही नहीं जाते, बल्कि पौष्टिकता और स्वास्थ्य की तराजूपर भी पकवानों को तौलते हैं। इससे इनके पाठकों-दर्शकों का भला होता है। मनपसंद काम में रमने से वैकल्पिक करियर उपलब्ध होने से इन सेलेब्रिटीज का भी भला होता है। यानी दोनों ही पक्षों के हाथों में लड्डू!

## शादी को यादगार बनाना हुआ दूभर

**एजेंसी. न्यूयॉर्क**

शादी के मौके पर फोटोग्राफर कीअहमियत सभी जानते हैं। यदि फोटोग्राफर ही न हो तो शादी के उन हसीन पलों को कैद करके रखना संभव नहीं है।

न्यूयॉर्क, न्यू जर्सी और पेनिसिलवेनिया के दर्जनोंजोड़ों के सामने एक नई समस्या खड़ी होगई है। यहां के फोटोग्राफरों ने बिना किसी चेतावनी के अपने स्टूडियो में ताले जड़ दिए हैं।

इस कारण यहां पर नई-नई शादी रचाने वाले युगलों कोकाफी परेशानी हो रही है। हाल ही में विवाह-सूत्र में बंधी किर्स्टन साउथॉफ का कहना है कि उनके पास पति का कोई भी फोटो नहीं है।

शादी वाले दिन कोईफोटोग्राफर नहीं मिला, जिसके कारण वे अपने यादगार दिन की कोई याद नहीं रख पाईं।

विशेषज्ञों के अनुसार शादी के लिए किसी फोटोग्राफर को लेने से पहले सारी जानकारियां एकत्रित कर लें। अपना पर्सनल कैमरा रखें तो और भी बेहतर है।

## परिवार का खर्च चलाने में महिलाएँ माहिर

बेशक महिलाएँ ठाट-बाट और कीमती पोशाक की शौकीन होती हैं लेकिन वह घर का खर्चा पुरुषों से ज्यादा बेहतर ढंग से चला सकती हैं। घर के खर्चा-पानी का प्रबंधन महिलाएँ पुरुषों से ज्यादा बेहतर ढंग से कर सकती हैं यह बात एक अध्ययन में सामने आई है।

ब्रिटेन के शोधकर्ताओं द्वारा किए गए एक अध्ययन में यह बात सामने आई है कि महिलाएँ घर का बजट ठीक ढंग से चलाती हैं, घर के फालतू खर्चों पर रोक लगा सकती हैं। महिलाओं के विपरीत पुरुष फालतू खर्चों पर रोक नहीं लगा सकते।

वह आर्थिक उधारी जैसे डेबिट कार्ड या बिल चुकाने में लेट- सवेर करते हैं और कभी-कभी तो उसे पूरी तरह नजरअंदाज

ही कर देते हैं। पुरुष निवेश में विश्वास नहीं करते वह साल में कम से कम भुगतान करना पसंद करते हैं।

हालाँकि महिलाओं के बारे में हमेशा से माना जाता है कि वे बहुत खर्चीली होती हैं सजने- सँवरने,कपड़ों व जूतों पर ज्यादा पैसा खर्च करती हैं।

डेली मेल की रिपोर्ट के मुताबिक इडी बोशर ऑफ लवली मनी डॉट कॉम ने अध्ययन में पाया कि पुरुष हमेशा यह सोचते रहते हैं कि वह घर का खर्चा-पानी चलाने में अपनी प्रतिष्ठा कैसे बचा सकते हैं जबकि महिलाएँ हमेशा यही सोचती रहती हैं कि उन्हें घर का खर्चा सही बजट के हिसाब से चलाना है।

3,000 ब्रिटेन के लोगों पर अध्ययन किया गया जिसमें आदमियों ने 2176 पाउंड का ऋण देना भूल गए जबकि 1987 पाउंड का ऋण सही समय पर चुका दिया।

**वस्त्रों का चयन इस प्रकार करें जिसे पहन कर आप आत्मविश्वासी लगें। ऐसा न लगे कि आपका शरीर वस्त्रों में बस लिपटा हुआ है। जिस ड्रैस को पहनें, उसे पहनने का सलीका रखें। अवसरों के आधार पर वस्त्रों का चयन करें।**

## महिलाओं का वार्डरोब

**आधुनिक** पढ़ी-लिखी स्त्री खाली घर बैठकर घर संभालना पसंद नहीं करती। घर से बाहर निकलने पर स्त्री आत्मविश्वासी, समय की पाबंद और स्मार्ट होती है। बाहर निकलने पर भिन्न-भिन्न कपड़ों की भी आवश्यकता रहती है। प्रतिदिन वह अपने वार्डरोब को सही रूप नहीं दे सकती इसलिए उसे चाहिए कि वह अपना वार्डरोब अपनी आवश्यकतानुसार कपड़ों से तैयार रखे जिससे सुबह उसे समय नष्ट किए बिना अपनी जरूरत अनुसार कपड़े आसानी से प्राप्त हो सकें।

**ऑफिसवियर:** कामकाजी महिला को प्रतिदिन दफ्तर जाने के लिए जिन वस्त्रों की आवश्यकता हो, उन्हें एक शैल्फ में इस प्रकार लगा कर रखें कि सुबह बिना रुकावट के अपनी पसंद के कपड़े आसानी से प्राप्त हो सकें। ऑफिस हेतु आरामदेय वस्त्र ही पहनें, जो काम करते समय किसी प्रकार की रुकावट पैदा न करें। कपड़े ऐसे पहनें जो साथियों के बीच हंसी का पात्र न बन सकें। साड़ी पहनते समय पल्लू को ढंग से बांध कर रखें। ब्लाऊज और सूट के गले अधिक गहरे न रखें। सूट पहनते समय चुन्नी सही रूप से लें।

**समारोहों पर पहनने वाले वस्त्र:** इन कपड़ों को प्रतिदिन प्रयोग में आने वाले वस्त्रों से अलग रखें। इन्हें हमेशा प्रैस करवा कर या चर्ख चढ़वा कर हैंगर में लटकाएं और कवर से ढंक कर रखें। जब भी समारोह पर वस्त्र पहनेंगे, प्रफुल्लता का एहसास होगा।

**रात्रि में पहनने वाले वस्त्र:** रात में ऐसे कपड़े पहनें जो नर्म और आकर्षक हों। नॉयलोन मिश्रित कपड़े त्वचा पर रैश पैदा कर सकते हैं। अधिक लेसदार नाइट वियर न पहनें। कपड़े वही पहनें जो त्वचा के लिए आरामदायक हों। रात को कभी सख्त और कसे हुए वस्त्र न पहनें। शरीर को रात्रि में पूरा आराम मिलना आवश्यक है। रात्रि के वस्त्रों का शैल्फ अलग रखें जो अन्य कपड़ों में मिक्स न हों।

**वस्त्रों का चयन:** वस्त्रों का चयन इस प्रकार करें जिसे पहन कर आप आत्मविश्वासी लगें। ऐसा न लगे कि आपका शरीर वस्त्रों में बस लिपटा हुआ है। जिस ड्रैस को पहनें, उसे पहनने का सलीका रखें। अवसरों के आधार पर वस्त्रों का चयन करें।

**मेल खाते आभूषण:** प्रतिदिन ऑफिस जाते समय ध्यान रखें कि आपकी साड़ी, सूट के साथ मेल खाते गहने भी पहनें। जरूरी नहीं कि सोने के आभूषण बदल-बदल कर पहनें। आप मोतियों के, नगों के, नकली, चांदी के आभूषण ड्रैस के अनुसार पहनें। इन आभूषणों को भी अपने वार्डरोब में उचित स्थान दें जिससे सुबह आपको ढूंढने हेतु समय नष्ट न करना पड़े।